जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

सुरंग से बाहर निकले श्रमिकों ने 17 दिन की कहानी की बयां

फौलादी हौसला, सुरंग में लूडो और योगा

उत्तराखंड (एजेंसी)। उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग से कल रात 17 दिन बाद सुरक्षित निकाले गये 41 श्रमिक पूरी तरह सुरक्षित हैं और डाक्टरों की निगरानी में हैं। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने चिन्यालरौड स्थित अस्पताल में जाकर श्रमिकों से मुलाकात की और उन्हें 1 लाख रूपये की आर्थिक सहायता का चैक सौंपा। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सुरक्षित निकाले गये श्रमिकों से फोन पर बात की और उनके हौंसले को देशवासियों के लिए प्रेरणा बताया। सुरंग से बचकर बाहर आए मजदूरों ने सुरंग में बिताए हुए 17 दिनों की कहानी भी बयां की है।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढहने के कारण सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को मंगलवार को 17वें दिन सही सलामत वापस निकाल लिया गया। 16 दिनों बाद अंधेर से निकले श्रमिकों में खुशी की लहर है। परिवार से मिलकर श्रमिकों ने राहत की सांस ली है। सफल सिल्कयारा सुरंग बचाव मिशन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह बचाव अभियान चुनौतियों से भरा था। हिमालय हमें दृढ़ और अचल बने रहने और आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करता है। तमाम मुश्किलों के बाद भी हमने अंत में श्रमिकों को बाहर निकालने में सफल रहे। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी सिल्क्यारा सुरंग बचाव में शामिल आईटीबीपी जवानों से मुलाकात की। उत्तरकाशी की सिल्क्यारा सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों को कल रात सुरक्षित बचा लिया गया। अब सुरंग के अंदर की तस्वीरें पहली बार सामने आई हैं। जिसमें मजदूर बैठे हुए हैं और उनके पास खाने-पीने का सामान रखा है।

आपका साहस देशवासियों के लिए प्रेरणा : पीएम

17 दिन बाद उत्तराखंड की सिल्कयारा सुरंग से सफलतापूर्वक बचाए गए श्रमिकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि बाबा केदार की कृपा से आप सभी सुरक्षित बाहर आए हैं। पीएम ने कहा कि 16 दिन सुरंग में रहना बहुत हिम्मत की बात है, लेकिन आप लोगों ने हिम्मत बनाए रखी। आपकी हिम्मत देशवासियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फोन कर शुभकामनाएं दीं। और श्रमिकों के बारे में मुख्यमंत्री से जानकारी ली।

मजदूरों की सुरक्षा मांगी : अर्नोल्ड

रोजाना भगवान की पूजा करने और चुनौतियों पर अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने कहा कि मैंने अपने लिए कुछ नहीं मांगा, मैंने वहां मौजूद 41 लोगों के लिए ही भगवान से मन्नत मांगी थी। मैंनें इस ऑपरेशन में लगे लोगों के लिए प्रार्थना की थी, हम किसी को भी चोटिल नहीं होने दे सकते थे।

मजदूरों ने बयां की आपबीती

सुरंग से सुरक्षित बाहर आने के बाद मजदूरों ने अपनी-अपनी आपबीती बयां की। उन्होंने बताया कि सुरंग के अंदर इतने दिन कैसे काटे। बचाए गए श्रमिक विश्वजीत कुमार वर्मा की पहली एक्सक्लूसिव बाइट। उन्होंने सिल्कयारा सुरंग में फंसे होने की अपनी 17 दिन की आपबीती सुनाते हुए कहा कि जब मलबा गिरा, तो हमें पता था कि हम फंस गए हैं। पहले 10-15 घंटों तक हमें कठिनाई का सामना करना पड़ा। लेकिन बाद में, हमें चावल, दाल और सूखे फल उपलब्ध कराने के लिए एक पाइप लगाया गया। बाद में एक माइक लगाया गया और मैंने अपने परिवार के सदस्यों से बात करने में सक्षम था। मैं अब खुश हूं, अब दिवाली मनाऊंगा।

सुरंग में फंसे झारखंड के मजदूर चमरा ओरांव ने बाहर आने के बाद बताया कि इन 17 दिनों में उन्होंने फोन पर लूडो खेलकर समय बिताया। क्योंकि, नेटवर्क नहीं होने के कारण हम किसी को कॉल नहीं कर सकते थे। सुरंग में आने वाले पहाड़ी पानी से स्नान किया। शुरुआत में मुरमुरे आदि **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

अखिलेश और पाठक में तकरार

बिजली के मुद्दे पर बहस, सपाईयों ने पोस्टर लहराये

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन आज योगी सरकार द्वारा अनुपूरक बजट पेश किया जाना है। सत्र शुरू होने से पहले ही सपा विधायकों ने हाथ में पोस्टर लेकर धरना प्रदर्शन किया। सदन की कार्रवाई शुरू होने के बाद विपक्ष के नेता अखिलेश यादव और उप्र सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक में बिजली के मुद्दे को लेकर जमकर तकरार हुई। सपा नेता अखिलेश यादव ने सरकार पर आरोप लगाया कि कई जिलों में पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। जिसका जवाब देते हुए बृजेश पाठक ने कहा कि अब उप्र में 24 घंटे बिजली मिल रही है। इस पर अखिलेश यादव बोले कि अगर आप ने एक भी पॉवर हाउस लगाया है तो उसके बारे में हमें बताएं।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन आज सदन की कार्रवाई शुरू **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

कबाड़ी बनकर रेकी, फिर चोरी

गिरोह के 7 बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने शातिर चोर गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के आभूषण सामान व चोरी के होंडा सिटी कार बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपी सेक्टर में फेरी लगाकर कबाड़ खरीदने का काम करते हैं। इस दौरान वह ऐसे मकानों को चिन्हित करते थे जो बंद पड़े रहते थे। मकान चिन्हित करने के बाद आरोपी चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। नोएडा जॉन के एडीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना प्रभारी सर्वेश सिंह ने मुखबिर की सूचना के आधार पर पृथला क्षेत्र में वेगनआर कार तथा होंडा सिटी कार में सवार सात लोगों को हिरासत में लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से गैस सिलेंडर, इनवर्टर, बैट्री, ग्रिल, बर्तन व अन्य सामान बरामद हुआ। **(शेष -4 पर)**

फेरीवाले की सड़क हादसे में मौत
डिवाईडर से टकराकर बाइक सवार मरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र में बीती रात तेज गति में आ रहा बाइक सवार संतुलन खो बैठा और बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए बाइक सवार ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं थाना जेवर क्षेत्र के कानीगढ़ी रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से साइकिल सवार की मौत हो गई।

मूलरूप से मुजफ्फरपुर बिहार निवासी हिमांशु कुमार ग्रेटर नोएडा में रह रहा था। हिमांशु बीती रात्रि अपनी बाइक से जा रहा था। तेज गति में होने के कारण बाइक पर नियंत्रण नहीं रख पाया और बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में हिमांशु कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल हिमांशु को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसने दम तोड़ दिया।

सूचना मिलने पर थाना बीटा-2 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

वहीं थाना जेवर क्षेत्र के कस्बा निवासी बादशाह (35 वर्ष) पुत्र शाहिद अपनी साइकिल से जा रहे थे। कानीगढ़ी रोड पर किसी अज्ञात वाहन ने बादशाह को टक्कर मार दी। इस हादसे में बादशाह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों से सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बादशाह **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

लेखपाल पर एफआईआर दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। निर्वाचन कार्य में उदासीनता बरतने पर सर्व लेखपाल बूथ के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया है। सदर तहसील के नायब तहसीलदार ने यह मुकदमा दर्ज कराया है। नायब तहसीलदार सदर सचिन पवार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि श्रवण कुमार को बूथ संख्या-551 से 566 तक का सुपरवाइजर नियुक्त किया गया था। जिलाधिकारी द्वारा 25 नवंबर को उनके बूथ का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान डीएम को श्रवण कुमार व बीएलओ बूथ से अनुपस्थित मिले। अनुपस्थित मिलने पर उन्हें नोटिस दिया गया। इसके बावजूद है मेरठ मंडल आयुक्त के प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाए। जिस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई थी। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में श्रवण कुमार की कार्यशैली लापरवाही **(शेष-4 पर)**

नाले की दिवार गिरने के मामले में शासन ने की कार्रवाई

नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम सस्पेंड, जेई की संविदा समाप्त

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है। सेक्टर-21 जलवायु विहार में नाले की दीवार गिरने तथा 4 मजदूरों की मौत के मामले में शासन ने नोएडा प्राधिकरण के उप महाप्रबंधक (सिविल) श्रीपाल भाटी को सस्पेंड कर दिया है तथा वर्क सर्किल-2 के जूनियर इंजीनियर शेखर की संविदा समाप्त कर दी गयी है। यह आदेश औद्योगिक विकास एंव अवस्थापना मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने जारी किए हैं। बता दें कि 20 सितंबर 2022 को सेक्टर-21 जलवायु विहार में नाले का निर्माण करते समय एक दिवार भरभराकर गिर गई थी जिसमें 4 मजदूरों की दबकर मौत हो गयी थी। इस मामले में तत्कालीन एसीईओ मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में एक जांच टीम गठित की गयी थी। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी थी। उसी रिपोर्ट के आधार पर औद्योगिक विकास मंत्री ने इस मामले में लापरवाही पाये जाने पर डीजीएम श्रीपाल भाटी को सस्पेंड कर दिया।

47 साल बाद भी नोएडा में पेयजल मयस्सर नहीं!

सेहत के लिए जानलेवा है पानी, जांच में मिले कई चौंकाने वाले तथ्य

अरूण सिन्हा

नोएडा। स्थापना के तकरीबन 47 वर्षों बाद भी यूपी के शो विंडो, औद्योगिक निवेश में अव्वल तथा प्रदेश की आर्थिक राजधानी के विशेषणों से नवाजे जाने वाला शहर नोएडा आज तक शुद्ध पेयजल मुहैया नहीं करा पाया है। इसके लिए यहां की जनता नहीं बल्कि प्रदेश के हुक्मरानों के अलावा प्राधिकरण के शीर्ष स्तर के अफसर ही जिम्मेदार हैं। पानी की खराब गुणवत्ता का आलम यह है कि यहां के पानी में टीडीएस यानी टोटल डिजोल्ड सॉलिड्स का अनुपात 500-2500 मिलीग्राम प्रति लीटर तक है।

सर्वे में पाया गया कि सेक्टर-55 में टीडीएस की मात्रा 2620 मिलीग्राम प्रति लीटर पाया गया। जबकि सेक्टर-21 में 1880, सेक्टर-19 में 957, सेक्टर-100 में 1320, सेक्टर-108 में 1500, सेक्टर-74 में 1780, सेक्टर-41 में 2330 तथा सेक्टर-93 में 1340 मिलीग्राम प्रति लीटर तक टीडीएस पाया गया।

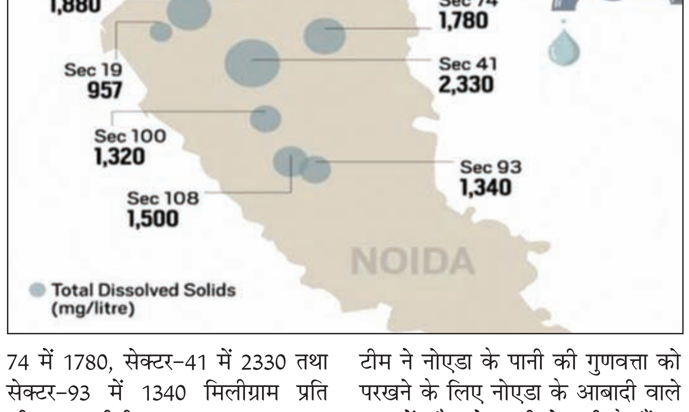

आपको बता दें कि इंडिया टुडे की टीम ने नोएडा के पानी की गुणवत्ता को परखने के लिए नोएडा के आबादी वाले इलाकों और सोसायटी से पानी के सैंपल लिए थे। पानी के इन सैंपल को नेशनल एक्रेडिशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरी (एनएबीएल) तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से मान्यता प्राप्त लैब में जांच के लिए भेजा। जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा है। पानी के सैंपल की जांच रिपोर्ट से पता चलता है कि नोएडा के पानी का ञ्ञ्स लेवल 500 से लेकर 2500 मिलिग्राम प्रति लीटर तक है।

विशेषज्ञों का मत है कि पानी में कैल्सियम कार्बोनेट की तय मात्रा 200 मिलिग्राम प्रति लीटर होनी चाहिए, अनुमति प्राप्त सीमा 600 मिलिग्राम है, लेकिन सैंपल की जांच में यह 845 मिलिग्राम प्रति लीटर निकला है।

क्लोराइड्स के लिए तय सीमा 250 मिलिग्राम प्रति लीटर है, लेकिन जांच रिपोर्ट में 708 मिलिग्राम निकला है। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

गाजियाबाद से चोरी स्कूटी पर लगाया फर्जी नम्बर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गाजियाबाद से चोरी की गई स्कूटी पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चला रहे एक चोर को थाना बिसरख पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से छीना गया मोबाइल फोन भी बना हुआ है।

थाना प्रभारी ने बताया कि बीती रात्रि पुलिसकर्मी गश्त पर थे। गोल चक्कर पर पुलिस को देखकर एक स्कूटी सवार भागने लगा। संदेह के आधार पर पुलिसकर्मियों ने पीछा किया तो स्कूटी सवार गिर गया। इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस द्वारा स्कूटी का कागजात मांगे जाने पर वह **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

रहस्यमय वायरस

चीन में जो रहस्यमयी वायरस आजकल फैल रहा है, वह गंभीर तीव्र सांस संबंधी बीमारी है या निमोनिया की नई किस्म अथवा कोरोना वायरस की नई नस्ल है। फिलहाल कुछ भी निश्चित नहीं है। चीन ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है, जबकि औसतन 7000 मामले हररोज सामने आ रहे हैं। यदि निमोनिया है और बच्चों में सांस संबंधी बीमारी बढ़ रही है, तो चिकित्सक इसे 'सामान्य अवस्था' नहीं मानते। कोरोना वायरस के संदर्भ में भी चीन ने ईमानदार घोषणा कब की थी? लंबे अंतराल तक कयास जारी रहे अथवा कुछ साक्ष्यनुमा हकीकतें भी सामने आई थीं कि कोरोना वायरस चीन से ही फैला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन आज तक इसकी पुष्टि नहीं कर पाया है कि कोरोना वायरस चीन की प्रयोगशाला में तैयार किया गया अथवा प्राकृतिक रूप से ही फैला था अथवा जैविक अस्त्र का कोई रूप था! अलबत्ता कोरोना को 'वैश्विक महामारी' जरूर घोषित किया गया था। वह दौर अत्यंत भयावह और त्रासद था। भारत में ही 5.5 लाख मौतें हुई थीं। यह सरकारी आंकड़ा है। गैर-सरकारी संगठन और कुछ पश्चिमी देशों के बड़े अखबारों ने यह संख्या करीब 50 लाख आंकी थी। दुनिया में कितनी मौतें हुई होंगी, हम उन आंकड़ों में नहीं जाते, अलबत्ता ऐसी महामारी एक सदी के बाद महसूस की गई। चीन में निमोनिया के जो लक्षण बताए जा रहे हैं, वे कमोबेश कोरोना सरीखे ही हैं, लिहाजा भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों को परामर्श भेजा है कि वे अपनी स्वास्थ्य सेवाओं की तुरंत समीक्षा करें। अस्पतालों में बिस्तर, दवाएं, इंफ्लुएंजा के टीके, मेडिकल ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, एंटीबायोटिक्स, टेस्टिंग किट्स आदि की व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें। कोविड-19 के लिए जारी किए गए संशोधित निगरानी दिशा-निर्देशों को भी लागू करें। इससे बीमारी की एकीकृत निगरानी हो सकेगी। हालांकि परामर्श में यह स्पष्ट किया गया है कि चीन के वायरस का मनुष्य से मनुष्य में संक्रमण या संचार देखने में नहीं आया है। चीनी वायरस के निशाने पर बच्चे हैं। इस संदर्भ में यह कोरोना से भिन्न लगता है, क्योंकि कोरोना का संक्रमण बच्चों में 'नगण्य' पाया गया था। बहरहाल विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन को वायरस और बीमारी संबंधी तथ्य साझा करने को कहा है। क्या चीन ईमानदारी से ऐसा करेगा? अलबत्ता उसने विश्व को कहा है कि चिंता की अवस्था नहीं है। चीन इस वायरस को लेकर सतर्क है और तमाम कोशिशें कर रहा है कि वायरस का खात्मा किया जा सके। गौरतलब है कि चीन के उत्तरी क्षेत्रों में, बीते तीन सालों के इसी महीने में, इंफ्लुएंजा जैसी बीमारी का फैलाव देखा गया है। तो चीन ने ये तथ्य शेष दुनिया के साथ पहले साझा क्यों नहीं किए? बीती 13 नवम्बर से ही कोरोना जैसे इस वायरस की सूचनाएं सामने आने लगी हैं। क्या यह कोई मौसमी वायरस और बीमारी है? यदि ऐसा भी है, तो चीन ने इन तीन सालों में इसकी रोकथाम के क्या कदम उठाए और उनके क्या नतीजे मिले हैं? चीन ने कोई स्थायी उपाय क्यों नहीं किया, जिसके बारे में अब वह शेष विश्व को तसल्ली दे रहा है? कोरोना में भी बुनियादी वायरस ऐसा ही था, जिसके प्रभाव से औसत संक्रमित व्यक्ति की सांस उखड़ती थी। चीन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसके देश में सांस संबंधी बीमारियों की स्थिति क्या है?

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जहाँ भगवान श्री रामचंद्रजी स्वयं राजा होकर विराजमान हैं, उस अवधपुरी के निवासियों के सुख-संपत्ति के समुदाय का वर्णन हजारों शेषजी भी नहीं कर सकते॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नारदादि सनकादि मुनीसा। दरसन लागि कोसलाधीसा॥
दिन प्रति सकल अजोध्या आवहिं। देखि नगरु बिरागु बिसरावहिं॥

नारद आदि और सनक आदि मुनीश्वर सब कोसलराज श्री रामजी के दर्शन के लिए प्रतिदिन अयोध्या आते हैं और उस (दिव्य) नगर को देखकर वैराग्य भुला देते हैं॥

जातरूप मनि रचित अटारीं। नाना रंग रुचिर गच ढारीं॥
पुर चहुँ पास कोट अति सुंदर। रचे कँगूरा रंग रंग बर॥

(दिव्य) स्वर्ण और रत्नों से बनी हुई अटारियाँ हैं। उनमें (मणि-रत्नों की) अनेक रंगों की सुंदर ढली हुई फर्शें हैं। नगर के चारों ओर अत्यंत सुंदर परकोटा बना है, जिस पर सुंदर रंग-बिरंगे कँगूरे बने हैं॥

नव ग्रह निकर अनीक बनाई। जनु घेरी अमरावति आई॥
लमहि बहु रंग रचित गच काँचा। जो बिलोकि मुनिबर मन नाचा॥

मानो नवग्रहों ने बड़ी भारी सेना बनाकर अमरावती को आकर घेर लिया हो। पृथ्वी (सड़कों) पर अनेकों रंगों के (दिव्य) काँचों (रत्नों) की गच बनाई (ढाली) गई है, जिसे देखकर श्रेष्ठ मुनियों के भी मन नाच उठते हैं॥

धवल धाम ऊपर नभ चुंबत। कलस मनहुँ रबि ससि दुति निंदत॥
बहु मनि रचित झरोखा भ्राजहिं। गृह गृह प्रति मनि दीप बिराजहिं॥

उज्ज्वल महल ऊपर आकाश को चूम (छू) रहे हैं। महलों पर के कलश (अपने दिव्य प्रकाश से) मानो सूर्य, चंद्रमा के प्रकाश की भी निंदा (तिरस्कार) करते हैं। (महलों में) बहुत सी मणियों से रचे हुए झरोखे सुशोभित हैं और घर-घर में मणियों के दीपक शोभा पा रहे हैं॥

मनि दीप राजहिं भवन भ्राजहिं देहरीं बिद्रुम रची।
मनि खंभ भीति बिरंचि बिरची कनक मनि मरकत खची॥
सुंदर मनोहर मंदिरायत अजिर रुचिर फटिक रचे।
प्रति द्वार द्वार कपाट पुरट बनाइ बहु बज्रन्हि खचे॥

घरों में मणियों के दीपक शोभा दे रहे हैं। मूँगों की बनी हुई देहलियाँ चमक रही हैं। मणियों (रत्नों) के खम्भे हैं। मरकतमणियों (पन्नों) से जड़ी हुई सोने की दीवारें ऐसी सुंदर हैं मानो ब्रह्मा ने खास तौर से बनाई हों। महल सुंदर, मनोहर और विशाल हैं। उनमें सुंदर स्फटिक के आँगन बने हैं। प्रत्येक द्वार पर बहुत से खरादे हुए हीरों से जड़े हुए सोने के किंवाड़ हैं॥

(क्रमशः...)

देशवासी भुला नहीं पाएंगे विश्व कप की हार

अहमदाबाद में फाइनल मैच से पहले भारतीय टीम सातवें आसमान पर थी। टीम के साथ ही देशवासियों का हौसला भी बढ़ा हुआ था। किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि रोहित एंड कंपनी इस तरह हार जाएगी। 50 ओवर के मैच में 300 से कम का स्कोर जोखिम भरा माना जाता है।

वनडे विश्व कप की हार से भारतीय खेल प्रेमियों का दिल टूट गया। अब यह मान कर संतोष करना पड़ेगा कि 19 नवम्बर 2023 का दिन भारत का नहीं था। पूरे विश्व कप में अपने शानदार खेल से टीम इंडिया वाहवाही लूट रही थी। लगातार 10 मैच जीत कर हम फाइनल में पहुंचे थे। मगर, अहम मुकाबले में ही किस्मत दगा दे गई। विश्व चैंपियन बनने का इतना सुनहरा मौका अब न जाने कब मिलेगा। अपने घर में और अपने दर्शकों के सामने खेल कर यदि हम नहीं जीत पाए तो कब जीतेंगे? आखिरी पावदान पर आकर अगर फिसल जाते हैं तो इसके लिए हम खुद जिम्मेदार हैं। उस दिन टीम प्रबंधन की कोई रणनीति काम नहीं आई। चेन्नई में अपने पहले लीग मैच में इसी ऑस्ट्रेलिया को भारत ने हराया था। इस हार की टीस कई सालों तक हमें कचोटेगी। इसे भुला पाना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम पिछले आठ साल में नौंवी बार आईसीसी के खिताब की दहलीज पर आकर चूक गई। ऑस्ट्रेलिया ने छठवीं बार विश्व कप अपने नाम कर लिया। खेल जगत में रिकॉर्ड बनते हैं और टूटते हैं। विश्व कप-2023 को कई ऐसे रिकॉर्ड के लिए याद रखा जाएगा जिसे तोड़ना नामुमकिन तो नहीं मगर दुष्कर अवश्य कहा जाएगा। वनडे क्रिकेट में विराट कोहली के 50 शतक और अफगानिस्तान के खिलाफ कंगारू टीम के मैक्सवेल की 201 रनों की नाबाद पारी को कोई कैसे भूल सकता है। यह प्रदर्शन किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह खेल अब मैदान में ही नहीं बल्कि दिमाग से भी खेला जाता है। विपक्षी टीम के हर दांव की काट के लिए रणनीति बनाई जाती है। मानसिक रूप से मजबूती एक अहम तथ्य है जिस पर सभी टीमें गंभीरता से काम करती हैं। पर, निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम की रणनीति कामयाब नहीं रही। कंगारू हमसे चतुर निकले। टास जीतकर पहले भारत से बल्लेबाजी करवाने का उनका दांव सफल रहा। मैच-दर-मैच जीत हासिल करते हुए हमारी टीम फाइनल में पहुंची। वनडे विश्व कप के इतिहास में टीम इंडिया चौथी बार फाइनल में पहुंची थी। हमारे प्रत्येक खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। बस फाइनल मैच में हमारी टीम रंग में नहीं दिखी। आलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए लेकिन तनिक भी उनकी कमी महसूस नहीं हुई। वजह, उनकी जगह जब मोहम्मद शमी को मौका मिला तो उन्होंने विपक्षी खेमे में तूफान मचा दिया। पूरा देश शमी पर फिदा हो गया।

लड़ने लायक नहीं था 240 रनों का स्कोर

अहमदाबाद में फाइनल मैच से पहले भारतीय टीम सातवें आसमान पर थी। टीम के साथ ही देशवासियों का हौसला भी बढ़ा हुआ था। किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि रोहित एंड कंपनी इस तरह हार जाएगी। 50 ओवर के मैच में 300 से कम का स्कोर जोखिम भरा माना जाता है। कप्तान रोहित ने शुरुआत तो अच्छी की लेकिन मध्य क्रम उसे भुना नहीं पाया। विराट कोहली या राहुल की साझेदारी भी लंबी नहीं चली। सूर्य यादव का बल्ला पूरे विश्व कप में खामोश रहा। लखनऊ में 29 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ मैच में 49 रन उनका सर्वाधिक स्कोर रहा। कंगारू गेंदबाजी और उनकी फील्डिंग के आगे भारतीय बल्लेबाज असहाय दिखे। रन बनाना पहाड़ हो गया। किसी बैटर को टिक कर लंबी पारी खेलने की जरूरत थी तब 300 से अधिक का लक्ष्य हम दे पाते। मगर, 240 का मामूली स्कोर ही हम दे सके। इससे विपक्षी टीम पर कोई दबाव नहीं बन पाया। लचर बल्लेबाजी के कारण भारत को अहम मैच में पराजय झेलनी पड़ी। अपने घरेलू मैदान पर बड़ा खिताब जीतने का यह अवसर बार-बार नहीं मिलेगा। खिताबी मुकाबले में हारने की भारत की पुरानी आदत भी है।

विराट कोहली और शमी ने किया प्रभावित

कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए यह आखिरी विश्व कप था। अगले विश्व कप तक इन दोनों की उम्र 40 के पास पहुंच रही होगी। इस आधार पर कह सकते हैं कि ये दोनों शायद अगला विश्व कप नहीं खेल पाएं। 2023 का विश्व कप यादगार नहीं बन सका। मगर, विराट कोहली का जबर्दस्त फॉर्म देख कर भारतीयों को बहुत खुशी हुई। इस विश्व कप में सर्वाधिक 765 रन उन्हीं के बल्ले से निकले। इसमें तीन शतक और छह अर्धशतक हैं। इसके अलावा विराट कोहली वनडे मैचों में 50 शतक बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज भी बन गए। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विराट आज जिस मुकाम पर हैं वहां तक दूसरों के लिए पहुंचना कठिन है। अभी वह तीन साल तक आराम से खेल सकते हैं। हो सकता है, सचिन तेंदुलकर के कुल 100 शतकों का रिकॉर्ड भी वह तोड़ दें। मोहम्मद शमी को मौका तब मिला जब हार्दिक पांड्या घायल होकर विश्व कप से बाहर हो गए। शमी ने अपनी धारदार गेंदबाजी का शानदार नमूना पेश किया है। 7 मैचों में 24 विकेट लेकर शमी शीर्ष भारतीय गेंदबाज हैं। एक मैच में 5 विकेट लेने का कारनामा उन्होंने 3 बार किया। उनके मुकाबले जसप्रीत बुमराह और सिराज का प्रदर्शन बुझा-बुझा सा रहा। बुमराह ने 11 मैचों में 20 तो सिराज ने इतने ही मैचों में 14 विकेट हासिल किए। कप्तान रोहित विश्व कप के 48 साल के इतिहास में छक्कों का अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने। वह 27 मैच में 55 छक्के लगा चुके हैं। रोहित इस साल अब तक 67 छक्के लगा चुके हैं। यह एक कैलेंडर वर्ष में छक्कों का रिकॉर्ड है। इसके अलावा वह विश्व कप में लगातार 10 मैच जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान भी बन गए हैं। श्रेयस अय्यर अपने दो शतक को याद रखेंगे लेकिन फाइनल में सस्ते में आउट होकर उन्होंने टीम को मझधार में डाल दिया। यही हाल शुभमन गिल का रहा। उनके बल्ले से चार पचासे निकले, मगर फाइनल के मुजरिम वह भी हैं।

फिर चोकर्स साबित हुई दक्षिण अफ्रीकी टीम

दक्षिण अफ्रीका ने इस विश्व कप में शानदार शुरुआत की थी। उसके बल्लेबाजों ने कोहराम मचाया हुआ था। दिल्ली में एक मैच में उनके तीन बल्लेबाजों ने शतक ठोंक दिया। यह टीम सेमीफाइनल में भी पहुंच गई। मगर, कोलकाता के इडेन गार्डन में जब ऑस्ट्रेलिया से सामना हुआ तो अफ्रीकी बैटरों ने घुटने टेक दिए। इस टीम पर चोकर्स का ठप्पा लंबे अर्से से लगा हुआ है। यानी नाकआउट मुकाबलों में यह टीम पस्त हो जाती है। वही बात फिर साबित हो गई। सभी लोग अनुमान लगा रहे थे कि फाइनल में भारत का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। पर, सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने उसे तीन विकेट से हरा कर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। असल में अफ्रीकी टीम के कप्तान तेंबा बाउमा का खुद का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने कोई अच्छी पारी नहीं खेली। अहम मैच में क्वींटन डिकाक और डूसेन भी नहीं चले। अकेले मिलर ने शतक जड़ा लेकिन पूरी टीम केवल 212 रन बना सकी। इतने कम टोटल पर मैच जीतना बेहद कठिन है।

अफगानिस्तान और नीदरलैंड ने किए उलटफेर

विश्व कप में अफगानिस्तान और नीदरलैंड को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा था। मगर निचले पायदान पर रहने वाली इन टीमों ने कई उलटफेर करके सबको चौंका दिया। अफगान खिलाड़ियों ने इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को हराया। इसी तरह नीदरलैंड ने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीम को चित कर दिया। डच टीम ने बांग्लादेश को भी हराया। कमजोर टीमों का ऐसा प्रदर्शन लंबे समय तक याद रखा जाएगा। लखनऊ में अफगानिस्तान और नीदरलैंड के बीच खेला गया मैच भी अफगानियों के पक्ष में रहा। इस तरह चार मैच जीत कर अफगानिस्तान टीम सेमीफाइनल की दौड़ में आ गई थी। यदि ऑस्ट्रेलिया से हुआ मैच वे जीत लेते तो संभवतरू टॉप फोर में शामिल भी हो जाते। उन्होंने 91 पर 7 विकेट भी गिरा लिये थे लेकिन उसी समय मैक्सवेल ने 201 की जोरदार पारी खेल कर कंगारू टीम को जिता दिया। अफगानिस्तान जीता हुआ मैच निराशाजनक ढंग से हार गया। लेकिन उनके जांबाजों से सबका दिल जीत लिया।

कुछ टीमों के लिए खराब रहा विश्व कप

कुछ टीमों के लिए यह विश्व कप बुरे सपने जैसा रहा। इंग्लैंड की टीम पिछले विश्व कप-2019 की चैंपियन थी। उम्मीद थी कि सेमीफाइनल तक यह टीम पहुंचेगी। मगर, कई कमजोर टीमों से इसे शिकस्त झेलनी पड़ी। कप्तान जोस बटलर का खराब फॉर्म जारी रहा। वह कोई अच्छी पारी नहीं खेल पाए। पाकिस्तान और श्रीलंका का हाल भी यही रहा। पाकिस्तान को अफगानिस्तान ने हरा कर चौंका दिया था। बाबर आजम को कप्तानी से हटा भी दिया गया है। श्रीलंका बदलाव के दौर से गुजर रही है। उसकी पूरी टीम नई है। इसलिए अनुभव की कमी दिख रही है। न्यूजीलैंड हमेशा की तरह बढ़िया खेली पर सेमीफाइनल में भारत से हार गई। उसके कप्तान विलियमसन चोटिल होने के कारण शुरू के कुछ मैच नहीं खेले। भारतीय मूल के रचिन रवींद्र ने धमाकेदार बल्लेबाजी से सबका दिल जीत लिया। न्यूजीलैंड का वह भविष्य का सितारा है। बांग्लादेश की टीम ने लचर प्रदर्शन तो किया ही, उसमें खेल भावना भी नहीं दिखी। श्रीलंका के साथ मैच में एंजलो मैथ्यूज को जिस तरह आउट दिया गया उससे बांग्लादेशी कप्तान शाकिब अल हसन की खूब आलोचना हुई। विश्व कप के इतिहास में मैथ्यूज टाइम आउट के जरिये आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

-आदर्श प्रकाश सिंह

प्रदेश में नशाखोरी का बढ़ता प्रचलन

नशा एक अभिशाप है। एक ऐसी बुराई है जिसमें इनसान का बहुमूल्य जीवन समय से पहले ही समाप्त हो जाता है। यह सब ज्ञात होने के बावजूद हिमाचल प्रदेश में नशे का प्रचलन लगातार बढ़ता ही जा रहा है। नशे का सेवन युवा वर्ग के द्वारा सर्वाधिक मात्रा में किया जा रहा है। नशे के पदार्थों में शराब, गांजा, भांग, अफीम, जर्दा, गुटखा, तंबाकू और धूम्रपान शामिल है। बीड़ी-सिगरेट, हुक्का व चिलम का भी प्रयोग हो रहा है। इन जहरीले पदार्थों के सेवन से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हानि तो पहुंचती ही है, साथ ही सामाजिक वातावरण भी प्रदूषित होता है। हिमाचल प्रदेश में एक सर्वे के मुताबिक प्रदेश की कुल जनसंख्या का 0.24 फीसदी हिस्सा नशे की चपेट में है। सर्वे के मुताबिक प्रदेश के लगभग दो लाख युवा ड्रग के आदी हो चुके हैं। इनमें लड़कियां भी शामिल हैं जो नशा करती हैं। प्रदेश पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2017 से 2022 तक 10848 पुरुषों को और करीब 450 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। कुछ वर्षों पहले नशे से संबंधित केवल पुरुष वर्ग में सुधार की आवश्यकता थी, लेकिन आज आत्मघाती कार्यों में महिलाएं भी शामिल हो गई हैं। सुधार की बात तो दूर, युवा वर्ग निरंतर नशे की लत में फंसता जा रहा है। आज हिमाचल प्रदेश भारत में आंकड़ों के हिसाब से देशभर में नशाखोरी के मामलों में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। देशभर में नशे को लेकर पड़ोसी राज्य पंजाब को नशे के लिए उड़ता पंजाब कहा जाता है। लेकिन लगातार बढ़ते नशे के मामलों को देखते हुए हिमाचल को उड़ता हिमाचल कहना गलत नहीं होगा। हमारे युवा करियर की ओर बिल्कुल भी ध्यान न देते हुए शिक्षा संबंधी दबाव व तनाव से छुटकारा पाने के लिए नशे की लत को अपना रहे हैं।

भारत सरकार के नशे की स्थिति पर जारी आंकड़े बताते हैं कि हमारे 10 फीसदी लोग अवसाद, न्यूरोसिस और मनोविकृति सहित कई विकारों से पीड़ित हैं। इसके साथ ही प्रत्येक 1000 में 15 व्यक्ति नशीली दवाओं का सेवन करते हैं। प्रत्येक 1000 में से 25 व्यक्ति क्रॉनिक यानी स्थायी रूप से शराब सेवन के शिकार हैं। नशा हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। इसके दुष्प्रभावों के कारण शरीर के अंदर अनेक बीमारियां जन्म ले लेती हैं और कुछ समय बाद मौत हो जाती है। नशे के लगातार सेवन से व्यक्ति में सोचने-समझने की क्षमता खत्म हो जाती है। तंबाकू, शराब, सिगरेट का अधिक मात्रा में सेवन करने से हमारे फेफड़े व गुर्दे आदि पर प्रभाव पड़ता है और एक समय ऐसा आता है कि ये सभी अंग काम करना बंद कर देते हैं। धूम्रपान से मुंह का कैंसर, सांस की तकलीफ, फेफड़े का खराब हो जाना आदि और भी अनेक बीमारियां आदमी के शरीर में घर कर जाती हैं। नशा आपके हंसते-खेलते जीवन को तहस-नहस करके रख देता है। नशा करने के बाद इनसान अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है जिसके कारण वह अपने आप पर काबू नहीं कर पाता, जिसके कारण घर पर क्लेश, हर जगह झगड़ा करना, अपशब्द बोलना, गाली-गलौज करना जैसे कुकर्म करता रहता है। जो आदमी घर में नशा करके आता है वो अपना जीवन तो खत्म करता ही है, साथ ही साथ अपने बच्चों को कई प्रकार के मानसिक घाव देता है। इसके अलावा नशे की अवस्था में वाहन चला कर नशेड़ी लोग अपनी और सामने वाले की जान को भी खतरे में डालते हैं। सरकार को ऐसे लोगों को और भी ज्यादा सख्त कानून बना कर दंडित करना चाहिए। हिमाचल में अभी कुछ समय से बहुत अधिक मात्रा में नशे के मामले आए हैं, जो कि समाज के हर समझदार आदमी को सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। किसी भी देश का भविष्य उसके युवा होते हैं, देश के युवा ही उस देश की नियति निर्धारित करते हैं। भारतीय परम्परा में स्कूल और कॉलेज शिक्षा के मंदिर माने जाते हैं। भारतीय परम्परा में व्यक्ति के बौद्धिक विकास के साथ-साथ नैतिक विकास के महत्व पर भी जोर दिया गया है।

लेकिन कुछ समय से हम यह देखते हैं कि शिष्यों में नैतिक मूल्यों का क्षय होता जा रहा है। विद्यार्थी अपनी सामाजिक जिम्मेदारियां भूलते जा रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण हमें एनआईटी हमीरपुर में देखने को मिला जहां कुछ स्टूडेंट्स नशे के कारोबार में लिप्त पाए गए। उनके माता-पिता उन्हें अपने बुढ़ापे का सहारा समझते हैं। ऐसे ही अखबार पलटते समय असंख्य खबरें पढने को मिलती हैं जहां छात्र नशे में लिप्त पाए जाते हैं। कई बार रास्ते में स्कूल-कॉलेज जाते बच्चों को हवा में धुएं के छल्ले बनाते देखा जाता है। भारत में गुरु की महिमा और गुरु-शिष्य परम्परा का एक लम्बा इतिहास रहा है। भारतीय संस्कृति में शिक्षक को गुरु का दर्जा दिया गया है। हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत में राम-कृष्ण, बुद्ध, कबीर, शंकराचार्य, नानक हमारे पूजनीय गुरु रहे हैं। गुरु की शिक्षा ही मनुष्य को भू-भार से मुक्त करती है। भारतीय परम्परा में गुरु मार्गदर्शक भी है, गुरु उपदेशक भी है। गुरु का जीवन किस्मत से मिलता है। एक गुरु अपने शिष्यों को धर्म और नैतिक मूल्यों पर चलना सिखाता है। लेकिन वर्तमान में हम देखते हैं कि गुरु, जिसको भारतीय समाज में भगवान का दर्जा दिया गया है, उसका पतन हो चुका है। आए दिन खबरें आती हैं कि शिक्षक शराब पीते पकड़े गए। अभी हाल में ही सोलन जिले के एक सरकारी स्कूल में कुछ टीचर और प्रिंसिपल शराब पीते पकड़े गए। पिछले महीने जिला चंबा के एक सरकारी स्कूल का अध्यापक शराब के नशे में धुत्त स्कूल के बाहर पड़ा हुआ था। राह चलते लोगों ने उसकी वीडियो बना डाली और उससे सवाल-जवाब भी किए।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इस तरह के अध्यापक कभी भी अपने शिष्यों को सही मूल्य नहीं सिखा सकते। सरकार को ऐसे शिक्षकों, जो शिक्षक के नाम पर कलंक हों, को कड़ी सजा देनी चाहिए। यदि नशे की रोकथाम के उपायों की बात की जाए तो राष्ट्रीय सरकार व प्रदेश सरकार ने कई कानून बनाए हैं जिन्हें सख्ती से लागू किया जाना अति आवश्यक है। हाल ही में सरकार ने नारकोटिक एंड साइकॉट्रॉपिक सब्सटेंस (एनपीएस) के अवैध व्यापार रोकथाम अधिनियम 1988 के लिए एसओपी मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। हिमाचल पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जाने वाले अभियान, जैसे प्रोजेक्ट रुस्तम, मोबाइल एप, स्पेशल टास्क फोर्स गठित कर नशे के खतरों से युवाओं को बचाया जा सकता है। इस दिशा में केंद्रीय सरकार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उल्लेखनीय प्रयास कर रही है। हिमाचल में बढ़ती नशाखोरी को तुरंत रोकना होगा।

-रमेश धवाला
पूर्व विधायक

राशिफल

कार्तिक शुक्ल पक्ष-द्वितिया | (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) पराक्रम रंग लाएगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) आय में बढ़ोत्तरी होगी। पारिवारिक जनों में कुटुम्बों से मेल-मिलाप होगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण रखिएगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड, छ, के, हो, हा) एक बहुत अच्छी ऊर्जा आप में रहेगी। आकर्षण रहेगा। जरूरत की वस्तुएं जीवन में उपलब्ध रहेंगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा) शारीरिक निश-तेजता के शिकार होंगे। एनर्जी कम रहेगी। प्रेम-संतान अच्छा रहेगा, लेकिन क्रोध के शिकार दिख रहे हैं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे) आय में बढ़ोत्तरी होगी। यात्रा का संयोग बनेगा। प्रेम-संतान मध्यम रहेगा। व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) राजनीतिक लाभ मिलेगा। सरकारी तंत्र से लाभ मिलेगा। व्यापारिक सफलता मिलेगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त) अच्छे दिनों की शुरुआत होगी। जोखिम से उबर चुके हैं। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार भी अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू) चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। वाहन धीरे चलाएं। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे) आनंददायक जीवन गुजरेगा। लाइफ पार्टनर का साथ रहेगा। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात संभव है।

मकर- (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खी, खू, खे, गा, गी) विवेक से काम लेंगे। शत्रु को भी अपने पक्ष में कर लेंगे। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द) भावुक होकर निर्णय मत लीजिएगा। नुकसान हो सकता है। स्वास्थ्य ठीक-ठाक, प्रेम-संतान मध्यम, और व्यापार अच्छा रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि) भूमि और वाहन की खरीदारी संभव है। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार भी अच्छा है। शिवजी को प्राणाम करते रहें।

भाकियू ने किया जेवर टोल को फ्री

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महामंत्री युद्धवीर सिंह की गिरफ्तारी से नाराज यूनियन के कार्यकर्ताओं ने आज जेवर टोल को फ्री कर दिया। सर्व विदित हो कि कल किसानों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक प्रतिनिधि मण्डल अमेरिका जा रहा था। इसी दौरान दिल्ली एयरपोर्ट पर युद्ध वीर सिंह को पुलिस ने यह कहते हुए गिरफ्तार कर लिया कि किसान आंदोलन के दौरान उनके ऊपर कई मुकदमे दर्ज हैं। इसलिए वह बाहर नहीं जा सकते हैं।

युद्धवीर सिंह की गिरफ्तारी से नाराज भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने आज जेवर टोल पर पहुंचकर टोल को फ्री कर दिया आंदोलन की अगुवाई कर रहे। भारतीय किसान यूनियन युवा के पश्चिमी प्रदेश के उपाध्यक्ष पवन चोरौली ने बताया कि युद्धवीर सिंह की रिहाई तक यह आंदोलन जारी रहेगा। पवन चोरौली ने कहा कि सरकार जानबूझकर युद्ध वीर सिंह को गिरफ्तार किया है। लेकिन इसका जवाब यूनियन कार्यकर्ता देंगे। इस अवसर पर भारी संख्या में यूनियन कार्यकर्ताओं किसान मौजूद रहे समाचार लिखे जाने तक जेवर टोल पूरी तरह से फ्री रहा।

बेवन नागर ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तरकाशी की सिल्कवारा सुरंग से में फंसे 41 मजदूरों को सकुशल निकाले जाने पर भाजपा की वरिष्ठ नेता श्रीमती बेवन नागर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि सिल्कवारा सुरंग में फंसे पिछले 17 दिनों से 41 मजदूरों को जिस तरह से सरकार ने प्रयास करके सुरक्षित निकाला है। वह स्वागत के योग्य है। उन्होंने कहा कि इस मिशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर उत्तराखंड सरकार के संपर्क में थे और यही नहीं उन्होंने सुरंग से निकल गए सभी 41 मजदूरों से एक-एक कर बात कर उनका हौसला भी बढ़ाया है। श्रीमती बेवन नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश एवं देशवासियों की चिंता करते रहते हैं। ऐसा प्रधानमंत्री मिलना हमारे देश के लिए कठिन है।

उन्होंने कहा कि मजदूरों ने भी 17 दिन सुरंग में रहकर धैर्य रखा वह कठिन काम था लेकिन मजदूरों ने भी हिम्मत दिखाई और आज मजदूर ही नहीं पूरा देश खुशी मना रहा है। सरकार के अथक प्रयासों से सभी मजदूरों को सकुशल निकाल लिया गया यह हमारे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का धन्यवाद दिया है।

किसान सभा ने किया जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जंतर-मंतर पर संयुक्त किसान मोर्चा और सभी मजदूर संगठनों के आह्वान पर अखिल भारतीय किसान सभा गौतमबुद्ध नगर इकाई के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

किसान आंदोलन की वर्षगांठ के मौके पर मोदी सरकार की किसानों मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ किसान सभा सहित अन्य किसान एवं मजदूर संगठनों का प्रदर्शन जंतर-मंतर पर हुआ। प्रदर्शन में मांग की गई कि किसानो की भूमि अधिग्रहण के संबंध में नए कानून के अनुसार किसानों को लाभ दिया जाए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में ग्रेटर नोएडा के भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को नए कानून के अनुसार लाभ से वंचित किया गया है। इसकी शिकायत करते हुए कानून के अनुसार लाभ की मांग की गई इसी तरह मजदूर मजदूरों के विरोध में लाये गए चार लेबर कोर्ट को रद्द करने, ठेकेदारी प्रथा खत्म करने और न्यूनतम मजदूरी 28000 रुपए प्रति माह करने की मांग की गई।

अखिल भारतीय किसान सभा गौतमबुद्ध नगर इकाई के कार्यकर्ता महासचिव जगबीर नंबरदार के नेतृत्व में प्रदर्शन करने पहुंचे कोषाध्यक्ष अजय पाल भाटी, उपाध्यक्ष गवरी मुखिया, सतीश यादव, दुष्यंत सेन, सचिव विनोद भाटी, रणवीर यादव, सचिव सुरेंद्र भाटी, भोजराज रावल, सचिव संजय नागर, राम सिंह इमलिया, इंदरजीत सिंह रामपुर, धोनी, सुरेंद्र शर्मा सचिव निशांत रावल, सचिन भाटी, संदीप भाटी, शिशांत भाटी एवं अन्य लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

भाजपा की होगी ऐतिहासिक जीत : पंडित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता पिंकी पंडित (शहदरा) ने जारी अपने बयान में कहा है कि आगामी 2024 में होने वाले आम लोकसभा के चुनाव में गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट से डॉक्टर महेश शर्मा की ऐतिहासिक जीत होगी। उन्होंने कहा कि सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा ने जिस गति से लोकसभा गौतमबुद्धनगर क्षेत्र का विकास का काम करवाया है वह देखने लायक है। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी लोग जानबूझकर भाजपा के बारे में अनर्गल आरोप प्रत्यारोप लग रहे हैं। लेकिन इससे जनता पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है।

श्री पंडित ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो सभी समाज को एक साथ में लेकर चलने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश एवं केंद्र सरकार ने सर्व जनहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए हैं।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव तैयारी को लेकर पार्टी कार्यकर्ता अभी से सरकार की नीतियों को लेकर जनता के बीच में जाने का काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में पढ़ने वाले पांचो विधानसभा क्षेत्र का तेजी के साथ विकास हुआ है।

मुफ्त कनेक्शन शिविर का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्राधिकरण की तरफ से गांवों में सीवर कनेक्शन के लिए मुफ्त शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को जुनपत और मथुरापुर में शिविर लगाया गया। इन दो गांवों से सीवर कनेक्शन के लिए। 86 आवेदन प्राप्त हुए। इससे पहले रविवार को बिरौंडा-बिरौंडी में आयोजित कैंप में 75 आवेदन और सोमवार को साकीपुर व गुलिस्तानपुर में में आयोजित शिविर में सीवर कनेक्शन के लिए 256 आवेदन आए हैं। ग्रेटर नोएडा को स्वच्छता के पहले पायदान पर पहुंचाने के उद्देश्य से प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर को ग्रामीणों को सीवर का मुफ्त कनेक्शन देने के लिए बीते 26 नवंबर से अभियान चलाया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का स्टाफ गांवों के सरकारी स्कूल या बरातघर में शिविर लगा रहा है। प्राधिकरण अब तक 6 गांवों, जुनपत, मथुरापुर, बिरौंडा, बिरौंडी और साकीपुर व गुलिस्तानपुर। में शिविर लगाया जा चुका है, जिससे इन छह गांवों से सीवर कनेक्शन के कुल 417 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राधिकरण ने शेष गांवों में षिविर लगाने के लिए तिथिवार शेड्यूल जारी कर दिए हैं।

केंद्र में फिर बनेगी भाजपा की सरकार : योगेश

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एओए के अध्यक्ष योगेश सिंह ने कहा है की 2024 में होने वाले आम लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए पार्टी कार्यकर्ता अभी से जोर-शोर के साथ लगकर सरकार की नीतियों एवं सरकार द्वारा कराए जा रहे। कार्यों को लेकर जनता के बीच में जा रहे हैं।

योगेश सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को जानता के बीच में ले जाकर उन्हें इसकी जानकारी दी जा रही है। योगेश सिंह ने कहा कि विपक्ष कितना भी ताना-बाना बून ले लेकिन 2024 में एक बार फिर से केंद्र में भाजपा की ही सरकार बनेगी क्योंकि जनता का विश्वास भाजपा पर अटूट है।

युद्धवीर सिंह रिहा आन्दोलन वापस : पवन खटाना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह को आज रिहा कर दिया गया सर्वाधिक सर्वविदित हो कि कल युद्धवीर सिंह को दिल्ली में गिरफ्तार कर लिया गया था। इससे नाराज यूनियन के कार्यकर्ताओं ने आज पूरे देश में आंदोलन का ऐलान कर दिया था। आंदोलन के ऐलान से सकते में आई सरकार ने युद्धवीर सिंह को तत्काल रिहा कर दिया। भारतीय किसान यूनियन के पश्चिम प्रदेश के अध्यक्ष पवन खटाना ने यह जानकारी देते हुए बताया कि युद्ध वीर

सिंह को बिना सर्त सरकार ने रिहा किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन की यह बहुत बड़ी जीत है। उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह से कार्यकर्ताओं ने उत्साह एवं निष्ठा दिखाई है। उसे सरकार को यूनियन के सामने झुकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन हमेशा सत्य की लड़ाई लड़ी है और आगे भी यह कर्म जारी रहेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता धैर्य बनाए रखें और आंदोलन से अब वापस आ जाएं।

अभी नहीं खुली है डूब क्षेत्र की रजिस्ट्री : सिंह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। डूब क्षेत्र की जमीनों की रजिस्ट्री पर लगे प्रतिबंध अभी हटे नहीं है। यह बात ग्रेटर नोएडा के उप निबंधक सब रजिस्ट्रार प्रेम प्रकाश सिंह ने एक बातचीत के दौरान दी है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में डूब क्षेत्र की जमीनों की रजिस्ट्री पर लगे प्रतिबंध को लेकर एक बैठक जिलाधिकारी मनीष वर्मा की अध्यक्षता में अधिकारियों के साथ हुई थी। लेकिन उस बैठक में रजिस्ट्री खोलने पर कोई निर्णय नहीं हो सका है।

उन्होंने बताया कि कुछ किसान रजिस्ट्री को लेकर भ्रमित हो रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि अभी तक जमीनों की रजिस्ट्री पर से प्रतिबंध हटाया नहीं गया है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा अभी तक कोई भी आदेश रजिस्टर विभाग को प्राप्त नहीं हुए हैं। उन्होंने किसानों से कहा है कि वह किसी के भी बहकावे में ना आए।

बता दें कि हाल ही में सुल्तानपुर से स्थानांतरित होकर ग्रेटर नोएडा आए उपनिबंधक प्रेम प्रकाश सिंह मुलत: प्रतापगढ़ जनपद के रहने वाले हैं। उनकी शिक्षा दीक्षा प्रयागराज से हुई है। मृदभाषी एवं सरल स्वभाव के प्रेम प्रकाश सिंह बहुत ही सरल व्यक्ति है।

पांच लोगों पर मारपीट का आरोप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

थाना जेवर में गोवर्धन पूजा के दौरान हुई फायरिंग के मामले में एक पीड़ित ने पांच लोगों के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट व जानलेवा हमला करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। 15 दिन पूर्व हुए खूनी संघर्ष में गोली लगने से एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई थी।

ग्राम मोहबलीपर निवासी हरपाल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 14 नवंबर की शाम को अपने घर के दरवाजे पर खड़ा हुआ था। इस दौरान गांव के ही हिमांशु तमंचा लेकर उसके घर आ धमका और गाली गलौज करने लगा। हिमांशु ने सामने खड़े शिवनीत पुत्र संगम पर तमंचे से फायर कर दिया। उसने बीच बचाव का प्रयास किया तो हिमांशु के साथी ललित, आकाश, नीतूव विजेंद्र आदि ने उस पर लाठी-डंडे व सरिया से हमला बोल दिया।

आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसकी जमकर पिटाई की और उसके बाद फायरिंग करते हुए मौके से जान से मारने की धमकी दे तो फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

असंख्य दीपमालिकाओ से रोशन हुआ प्रयागराज का पौराणिक दशाश्वमेधघाट

प्रयागराज ((चेतना मंच)। देवपर्व देव दीपावली के पावन शुभ अवसर पर गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी गंगा विचार मंच एवं तपोनिष्ठ आनन्द अखाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में माँ गंगा के मनोरम तट पर स्थित पुराणों में वर्णित दशाश्वमेधघाट पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ असंख्य दीपों से जगमगाया गया।

उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र द्वारा अति ख्याति प्राप्त प्रदीप सांवरा ने भाव प्रवाह भजनों सहित माँ गंगा की संगीतमय धुन से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बविता और उसकी टीम ने गंगा अवतरण पर संगीतमई मंचन से सभी आने जाने वालों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर सड़क पर खड़े रहने पर मजबूर कर दिया जिससे जाम की स्थिति बन गई।

सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल, भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज के महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र और महापौर गणेश केशरवानी ने सभी कलाकारों और गायकारों को अंगवस्त्रम, माला-फूल स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका श्रीमती अनामिका चौधरी ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

इसके पूर्व बटुक ब्राह्मणों के मंत्रोच्चारण से महंत वेणीमाधव मंदिर महामंडलेश्वर पूज्य विभूति गिरी, तपोनिधि आनंद अखाड़ा के पूज्य स्वामी राजेश्वरानंद, महानिर्वाणी अखाड़ा के स्वामी शिवानंद गिरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के काशी प्रांत संघचालक डॉ विश्वनाथ लाल निगम,प्रोफेसर नरेन्द्र सिंह गौर पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री,अनामिका चौधरी प्रदेश मंत्री भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश, सर्वदा तिवारी,गगन निषाद, अवधेश निषाद के साथ सैकड़ों लोगों महिला और पुरूष दोनों ने मां गंगा की आरती उतारी। सहित आयोजित किया जाएगा । कार्यक्रम का संचालन अवधेश निषाद ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजय श्रीवास्तव,रवि निषाद, मृणाली मिश्रा, रूशाली मिश्रा, मंदाकिनी मिश्रा, नीलम शुक्ला, त्रिगुणात्मिका शीतल शुक्ला, गार्गी ,आस्था तिवारी विकास केलकर, मेज़र सुनील निषाद, अभिषेक चौधरी, ओमप्रकाश चौधरी, रोहित यादव, अमित सिंह, अरूण भटनागर, अन्नू निषाद, पंकज गुप्ता, सुशील भारती, आयुष्मान, सुयश, अंकुश पांडेय, अभिषेक कर, सतीश गुप्ता, भुवनेश्वरी प्रसाद सक्सेना, धर्मेंद्र निषाद, आदि के साथ क्षेत्रीय लोग भी शामिल रहे।

शादी में गया परिवार, पीछे से घर साफ

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-105 स्थित एचआईजी फ्लैट्स में चोरों ने एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोर घर से लाखों रुपए के जेवरात, नगदी व अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना के समय परिजन एक शादी समारोह में हिस्सा लेने के लिए नैनीताल गए हुए थे।

अरुण कुमार बृजवासी ने पुलिस से की शिकायत में बताएं कि वह 23 नवंबर को अपने मूल निवास हल्द्वानी (नैनीताल) में अपने भांजे की शादी में शामिल होने के लिए परिजनों के साथ गए थे। शादी समारोह में हिस्सा लेकर जब वह वापस अपने घर लौटे तो उन्हें मास्टर बेडरूम का दरवाजा टूटा हुआ और सामान बिखरा हुआ मिला। उन्होंने जब बारीकी से छानबीन की तो पता चला कि घर के गार्डन की तरफ खुलने वाली खिड़की की ग्रिल टूटी हुई थी। उनके घर से सोने की चेन, अंगूठी, सोने के सिक्के, लेडिस राडो वॉच, लाखों रुपए मूल्य की जेंट्स वॉच, डेबिट कार्ड व सामान गायब था।

मोबाइल लूटकर भागे बदमाश

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने एक राहगीर से मोबाइल फोन लूट लिया और फरार हो गए पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर लिया है। कस्बा सूरजपुर निवासी बिलाल ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि वह 26 नवंबर को अपने मोबाइल पर बात करते हुए शहीद भगत सिंह स्कूल के पास से जा रहा था। इस दौरान पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसका मोबाइल छीन लिया। उसने शोर मचाकर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह मौके से फरार हो गए। अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मोबाइल लूट का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

वृद्ध की अस्पताल में संदिग्ध मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा दो क्षेत्र के यथार्थ अस्पताल में गंभीर अवस्था में भर्ती कराए गए एक व्यक्ति की मौत हो गई। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है।

मूल रूप से बिहार निवासी (62 वर्षीय) गणेश सिंह को गंभीर स्थिति में परिजनों ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया उपचार के दौरान गणेश सिंह की मौत हो गई अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा इस संबंध में अभी परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

जीएसटी अधिकारी की पत्नी का बैग चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के मेट्रो स्टेशन से जीएसटी अधिकारी की पत्नी का बैग चोरी हो गया। बैग में नगदी, आभूषण तथा जरूरी कागजात रखे हुए थे।

एडब्लूएचओ सोसायटी में रहने वाले प्रदीप कुमार जीएसटी अधिकारी है। उनकी पत्नी पूनम बेटी श्याम नॉलेज पार्क मेट्रो से उतरकर रोड क्रॉस कर रही थी। उनके पास दो बड़े बैग और एक छोटा बैग था। मेट्रो से उतरने के बाद वह अपने घर चली गई कुछ समय बाद उन्हें ध्यान आया कि उनका छोटा बैग गायब है। इसके बाद वह वापस मेट्रो स्टेशन पहुंची और बैग की तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पूनम ने फोन कर पुलिस को सूचना दी। थाना नॉलेज पार्क प्रभारी का कहना है कि पुलिस ने और मामले की जांच कर रही है मेट्रो स्टेशन के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगाला जा रहा है।

रेलयात्री : कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

विशेष रेलगाड़ियों की सेवा अवधि का विस्तार

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों की सेवा अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	फ्रीक्वेंसी	पूर्व अधिसूचित तिथि	तिथि तक विस्तारित
03575	आसनसोल	आनन्द विहार (ट.)	साप्ताहिक (शुक्रवार)	24.11.2023	01.12.2023
03576	आनन्द विहार (ट.)	आसनसोल	साप्ताहिक (शनिवार)	25.11.2023	02.12.2023
03435	मालदा टाउन	आनन्द विहार (ट.)	साप्ताहिक (सोमवार)	27.11.2023	04.12.2023
03436	आनन्द विहार (ट.)	मालदा टाउन	साप्ताहिक (मंगलवार)	28.11.2023	05.12.2023
02575	हैदराबाद	गोरखपुर	साप्ताहिक (शुक्रवार)	24.11.2023	15.12.2023 से 26.01.2024
02576	गोरखपुर	हैदराबाद	साप्ताहिक (रविवार)	26.11.2023	17.12.2023 से 28.01.2024

नोट : अन्य विवरण पूर्ववत रहेगा।

3734/23

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 | रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in | रेलमदद ऐप डाउनलोड करें | आज़ादी का अमृत महोत्सव | उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | पर हमें फॉलो करें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

अग्निवीर का प्रशिक्षण ले रही युवती ने की आत्महत्या

–परेशानी से तंग आकर लड़की ने फांसी लगाई

मुंबई, । मुंबई में नौसेना में अग्निवीर का प्रशिक्षण ले रही एक 20 वर्षीय लड़की ने आत्महत्या कर ली। प्रेम प्रसंग के तनाव के चलते युवती द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात सामने आई है। मृत लड़की का नाम अपर्णा है. मलाड की मालवणी पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक युवती का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था. प्रेम संबंध ठीक नहीं चलने के कारण युवती काफी समय से तनाव में थी। कहा जा रहा है कि इसी परेशानी से तंग आकर लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. युवती का हाल ही में अग्निवीर योजना के तहत चयन हुआ था। यह घटना तब हुई जब लड़की प्रशिक्षण के लिए आईएनएस हमला पर सवार थी। घटना की सूचना मिलते ही नेवी के डॉक्टरों को बुलाया गया। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया. युवती की आत्महत्या के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है. उस लड़की का किसके साथ अफेयर चल रहा था? प्रेम संबंध में तकरार की वजह क्या थी? पुलिस इन सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

लिव इन पार्टनर से नाबालिग बेटी का दुष्कर्म कराने वाली मां को 40 साल की सजा

तिरुवनंतपुरम। हालात कैसे भी रहें लेकिन एक मां अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए खुद की जान देने में कतई नहीं हिचकती। इससे ठीक विपरीत एक मां का ऐसा कारनामा सामने आया है जो चौंकाता है और उसकी हरकत से नफरत करने को मजबूर करता है। तिरुवनंतपुरम की एक अदालत इस महिला को 40 साल की सजा, 20 हजार का जुर्माना और 6 माह का साश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इस महिला ने अपने लिव इन पार्टनर को खुद की 7 साल की मासूम बेटी से रेप करने की सहमति दी। अपराध इतना घिनोना था कि महिला का पार्टनर और मुख्य आरोपी शिशुपालन ने आत्महत्या कर ली। प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल एब्यूज (पॉक्सो) मामले में पीड़िता की मां को ही कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। मामला केरल का है। आरोप थे कि महिला ने अपने प्रेमी के नाबालिग बेटी का बलात्कार करने की अनुमति दे दी थी। कोर्ट ने महिला को 40 साल की जेल, 20 हजार रुपये जुर्माना और 6 महीने का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। आरोप थे कि महिला ने तब 7 साल की बच्ची का रेप करने में लिव-इन पार्टनर की मदद की थी। तिरुवनंतपुरम स्पेशल फास्ट ट्रेक कोर्ट ने महिला को मातृत्व के नाम पर कलंक भी बताया है। साथ ही कहा कि वह दया कि अधिकारी नहीं है और अधिक से अधिक सजा का समर्थन किया। खास बात है कि अगर महिला जुर्माने की राशि नहीं दे पाती है, तो उसे 6 महीने और जेल में रहना होगा। घटना मार्च 2018 से सितंबर 2019 के बीच की है। दोषी महिला उस दौरान मानसिक रूप से बीमार अपने पति से अलग रह रही थी। वह इस मामले में मुख्य आरोपी रहे पुरुष मित्र शिशुपालन के साथ रह रही थी।

पृष्ठ एक के शेष....

मजदूरों ने बयां...

खाकर भूख मिटाई। सुरंग के अंदर काफी स्पेस था। शौच के लिए एक स्थान निर्धारित कर रखा था।

ओरांव ने उस दिन की घटना को याद करते हुए कहा कि सब लोग 12 नवंबर की सुबह सुरंग के अंदर काम कर रहे थे। तभी जोरदार आवाज सुनी और एकाएक ढेर सारा मलबा गिर गया। मुझ जैसे कई मजदूर उसी में फंस गए। बाहर नहीं निकल पाए। जब पता चला कि हम लंबे समय के लिए फंस गए हैं तो बेचैन हो उठे। लेकिन हमने उम्मीद नहीं खोई। भगवान, सरकार और बचावकर्मियों का दिल से शुक्रिया है। रेस्क्यू टीम के लोग, अधिकारी पल-पल की जानकारी ले रहे थे और हमें भरोसा दिला रहे थे।

सबा अहमद ने कहा कि खाना आता था तो हम लोग मिलजुल के एक जगह बैठ के खाते थे। रात में खाना खाने के बाद सभी को बोलते थे कि चलो एक बार टहलते हैं। टनल का लेन ढाई किलोमीटर का था, उसमें हम लोग टहलते थे। इसके बाद मॉर्निंग के समय हम सभी वॉक और योगा करते थे।

वहीं, उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के रहने वाले अखिलेश कुमार कहते हैं- सुरंग के अंदर पहले कुछ दिन दिक्कत हुई लेकिन जब सरकार और अधिकारियों ने हमसे संपर्क स्थापित कर लिया तो राहत महसूस हुई। पाइप के जरिए खाना, पानी आदि पहुंच रहा था। बाद में फोन से बात भी होने लगी थी। देशवासियों की दुआएं काम आ गईं।

अखिलेश और पाठक...

होने से पहले समाजवादी पार्टी के नेताओं ने सदन के बाहर प्रदर्शन किया। हाथ में लिए तख्तियों पर विभिन्न मुद्दों से संबंधित स्लोगन लिखे गए थे। हाथ में पोस्टर, बैनर लेकर पहुंचे सपा विधायकों ने कार्यवाही शुरू होने से पहले चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान महंगाई, बेरोजगारी, गन्ना किसानों का मुद्दों को उठाया। इसके अलावा अस्पतालों की बदहाली, कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया।

यूपी विधानसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बिजली, किसान, अस्पतालों की बदहाली महंगाई और बेरोजगारी से जुड़े मुददे उठाए। उन्होंने कहा कि क्या गेहूं सरकार ने खरीदा या निजी कंपनियों ने खरीदा? मैं कहना चाहता हूं कि खेती के उपकरणों पर जीएसटी 12 प्रतिशत है या 18 प्रतिशत। क्या ये डबल इंजन सरकार किसानों की मदद के लिए जीएसटी कम करेगी? खबर लिखे जाने तक सदन में अनपूरक बजट पेश नहीं किया गया था।

कबाड़ी बनकर...

पूछताछ में कार सवार लोगों ने अपने नाम मोनू उर्फ मोहसिन, आशीष, योगेश उर्फ मोनू, मोहम्मद हफीज उर्फ बंगाली, नदीम, रूपेश व सत्यम राय बताते हुए कबूल किया कि उक्त सामान चोरी का है।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने बीते दिनों थाना क्षेत्र में बंद पड़े मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपी मकान में खड़ी होंडा सिटी कार को भी चोरी कर ले गए थे। पकड़े गए आरोपियों ने अन्य थाना क्षेत्र में भी चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पकड़े गए आरोपियों में कई कबाड़ी का काम करते हैं। इसी की आड़ में वह क्षेत्र में घूम कर ऐसे मकानों को चिन्हित करते थे जो बंद पड़े होते थे।

फेरीवाले की सड़क...

मूंगफली की रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था घर का अकेला कमाने वाला सदस्य होने के कारण उसके परिवार के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। बादशाह के 5 नाबालिग बच्चे हैं। उसकी मौत के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

47 साल बाद भी...

पहला गंगा जल, जो नोएडा प्राधिकरण द्वारा पाइप लाइन के जरिए सप्लाई किया जाता है। पानी का दूसरा स्त्रोत भूजल है। नोएडा की मिट्टी दो मिनरल्स बेहद कॉमन हैं। मैग्नीशियम और कैल्सियम। इनकी वजह से नोएडा का पानी कठोर और नुकसानदायक होता जा रहा है। जिसका रेंज 108 मिलिग्राम प्रतिलीटर से लेकर 838 मिलिग्राम प्रतिलीटर की बीच है। यह जलस्त्रोत पर निर्भर करता है कि उसकी कठोरता कितनी ज्यादा होगी। प्राधिकरण के जल विभाग द्वारा पानी की गुणवत्ता सुधारने के लिए बृहद स्तर पर कई अभियान चलाए जा रहे हैं। लेकिन शासन स्तर पर जो वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए वह अभी तक किसी भी पार्टी की सरकार ने नहीं किए। यही कारण है कि स्थापना के 47 वर्षों बाद भी नोएडा में लाखों लोगों के लिए पेयजल भी मयस्सर नहीं हो पाया। कैल्सियम के लिए 75 मिलिग्राम प्रति लीटर तय सीमा है, किंतु 186 मिलिग्राम प्रति लीटर पाया गया है। मैग्नीशियम भी तय सीमा से तीन गुना ज्यादा मात्रा में पाया गया। आपको बता दें कि नोएडा में पानी की सप्लाई के लिए दो स्त्रोत है।

गाजियाबाद से चोरी...

दिखने में असमर्थ रहा। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पवन पुत्र प्रेम सिंह निवासी ग्राम दुजाना थाना बादलपुर बताया। आरोपी ने कबूल किया कि उसने यह स्कूटी गाजियाबाद से चोरी की थी। वह स्कूटी पर फर्जी नंबर प्लेट डालकर चला रहा था। बरामद मोबाइल के बारे में पवन ने बताया कि उसने करीब तीन माह पूर्व एक व्यक्ति से छीना था। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

लेखपाल पर...

उदासीनता की पुष्टि करती है। इस कारण श्रवण कुमार के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत कार्रवाई की गई है।

प्रियंका ने बीआरएस को बताया फार्महाउस से शासन करने वाली पार्टी

–तेलंगाना में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केसीआर सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार पर हमला बोला है। इस दौरान प्रियंका ने आरोप लगाया कि बीआरएस के बड़े नेता फार्महाउस में बैठकर सरकार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में गरीब और गरीब होता जा रहा है तथा सत्तारूढ़ पार्टी अमीर होती जा रही है। उन्होंने यहां से लगभग 50 किलोमीटर दूर भोंगिर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि अगर बीआरएस फिर से सत्ता में आई तो सरकार फार्महाउस से चलेगी और भू-शराब माफिया राज्य पर शासन करेगा तथा रोजगार का कोई अवसर उपलब्ध नहीं होगा। बता दें कि यहां तीस नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील करते हुए उन्होंने पार्टी द्वारा घोषित छह गारंटी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के बड़े नेता अपनी हवेलियों और फार्महाउस में बैठे हैं तथा सरकार चला रहे हैं। बीआरएस के सभी नेता बड़ी हवेलियों में बैठे हैं। उनकी सभी नीतियां केवल बड़े व्यवसायियों के लिए हैं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि तेलंगाना के गरीब और गरीब होते जा रहे हैं तथा बीआरएस पार्टी अमीर होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चाहे भाजपा हो या बीआरएस, उनकी नीति सिर्फ सत्ता में बने रहने और अमीर बनने की है तथा इन दलों के नेता भी धनी हो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब जब भी चुनाव आते हैं, तो वे चुनाव प्रबंधन शुरू कर देते हैं। उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए कि तेलंगाना के लोग बिकने के लिए नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार में ऊपर से नीचे तक हर स्तर पर भ्रष्टाचार है, यहां तक कि कालेश्वरम सिंचाई परियोजना सहित कोई भी परियोजना वास्तविक रूप से पूरी नहीं हुई है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा तेलंगाना में बीआरएस सरकार का समर्थन करती है, जबकि बीआरएस दिल्ली में भाजपा सरकार का समर्थन करती है तथा उनके तीसरे दोस्त असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम राज्य में दोनों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम अन्य राज्यों में 40 से 50 सीट पर लड़ती है, लेकिन तेलंगाना में वह केवल नौ सीट पर उम्मीदवार उतारती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ये तीनों दल एक तरफ हैं और कांग्रेस दूसरी तरफ है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई है और उसने देश की संपत्ति अपने उद्योगपति मित्रों को दे दी है।

अगले जलवायु शिखर सम्मेलन में ठोस कार्रवाई पर जोर देने की जरुरत : निर्मला

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में जलवायु वित्त पोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को लेकर ठोस कार्रवाई पर जोर देने की जरुरत बताई है। गौरतलब है ?कि संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन का 28वां संस्करण 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जलवायु प्रभावों, जीवाश्म ईंधन के उपयोग, मीथेन उत्सर्जन, और ग्लोबल वार्मिंग उत्सर्जन को कम करने समेत विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की उम्मीद है। साथ ही जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनने के लिए अमीर देशों की तरफ से विकासशील देशों को मुआवजे के तौर पर वित्तीय सहायता दिए जाने के मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। 'इंडिया ग्लोबल फोरम मिडिल ईस्ट एंड अफ्रीका' 2023के उद्घाटन समारोह में डिजिटल सत्र के दौरान सीतारमण ने कहा कि इस जलवायु सम्मेलन में देशों को दिशा दिखाई जानी चाहिए। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा ?कि आगामी वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ठोस कार्रवाई की जरुरत है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में कोरी बयानबाजी के स्थान पर ठोस कार्रवाई पर जोर दिया जाना जरुरी होगा।

पन्नू मामले में भारत की अमेरिका ने की तारीफ, कनाडा को लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में अमेरिका ने दावा किया था कि खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की अमेरिका में एक साजिश के तहत हत्या हो सकती थी। इस साजिश को अमेरिका ने नाकाम करने की बात कही थी। इसको लेकर भारत की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा है कि अमेरिका ने तो फिर भी पन्नू के मामले में लीगली प्रजेंटेबल इनपुट भारत को दिए हैं लेकिन कनाडा ने केवल मनगढ़ंत आरोप ही लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जैसा कि अमेरिका ने साजिश के पीछे इंडियन कनेक्शन बताया है तो उसका मतलब यह कतई नहीं हुआ कि भारत का हाथ है बल्कि बहुत सारे भारतीय मूल या फिर भारत के लोग हैं जिनका हाथ हो सकता है। अमेरिका ने भारत सरकार की बात नहीं की है।

कनाडा के एक इंटरव्यू में वर्मा ने कहा कि जब आप अमेरिका से मिले इनपुट्स की बात करते हैं तो यह इनपुट गैंगस्टर्स, ड्रग तस्कर, आतंकवादी, हथियार बेचने वालों के बारे में हैं कि यूएस में रहते हैं। माना जा रहा है कि इसमें भारत का कनेक्शन हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि भारत सरकार का कनेक्शन, भारत में 140 करोड़ की आबादी है इसलिए कोई भी भारतीय कनेक्शन हो सकता है। इसकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के संबंध काफी अच्छे हैं। इसलिए हम मानते हैं कि उधर से सही जानकारी ही मिलेगी।

खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के संबंध तनावपूर्ण हैं। इसी बीच

अमेरिका में खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश की भी बात सामने आई। कनाडा में भारती उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा कि अमेरिका ने तो फिर भी लीगली प्रजेंटेबल इनपुट भारत को दिए हैं लेकिन कनाडा ने केवल मनगढ़ंत आरोप ही लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जैसा कि अमेरिका ने साजिश के पीछे इंडियन कनेक्शन बताया है तो उसका मतलब यह कतई नहीं हुआ कि भारत का हाथ है बल्कि बहुत सारे भारतीय मूल या फिर भारत के लोग हैं जिनका हाथ हो सकता है। अमेरिकाने भारत सरकार की बात नहीं की है।

पहली बार किसी भारतीय सीनियर अधिकारी ने कनाडा और अमेरिका द्वारा दिए गए इनपुट में अंतर बताया है। बता दें कि खबरों के मुताबिक अमेरिकी धरती पर पन्नू को मारने की साजिश को लेकर रिपोर्ट के बाद भारत ने कहा था कि इनपुट्स को गंभीरता से लिया जा रहा है और इसकी जांच शुरू हो चुकी है। वहीं जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने निज्जर की हत्या के आरोप लगाए थे तब भारत का रुख एकदम अलग था। भारत ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें मनगढ़ंत और बेहूदा बताया था।

भारतीय उच्चायुक्त ने कहा कि कनाडा और भारत के अधिकारियों के बीच बात हुए लेकिन हमें कोई पुख्ता सबूत चाहिए जिससे कि कानूनी संस्थाओं के पास जाकर हम जांच करवा सकें। जब तक कोई पुख्ता इनपुट नहीं मिलता हम जांच नहीं कर सकते। जब उनसे पूछा गया कि निज्जर की हत्या के मामले में भारत सहयोग करेगा या नहीं तो उन्होंने कहा, सहयोग की बात करने का मतलब है कि हम मान रहे हैं कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। जबकि ऐसा नहीं है। हमने कहा है कि पुख्ता सबूत दीजिए तब हम इस मामले को देखेंगे।

अफगानिस्तान ने भारत में बंद किया दूतावास, चुनौतियों का दिया हवाला

–भारत में रह रहे अफगानियों पर इससे कोई असर नही पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने भारत में अपना दूतावास बंद कर दिया है। इसके पीछे कई तरह की चुनौतियां बताई जा रही हैं। हालांकि भारत ने तालिबान को मान्यता नहीं दी है, एक वजह यह भी बताई जा रही है। वहां पर तालिबान का राज आने के बाद से उथल-पुथल मची हुई है। चरमपंथी रवैये की वजह से दुनिया के कई देश तालिबान को सरकार के तौर पर मान्यता देने से बच रहे हैं। भारत भी उनमें से एक है। तालिबानी हुकूमत को नहीं मानने की वजह से ये सारा फसाद खड़ा हुआ। दसअसल भारतीय विदेश मंत्रालय तालिबान के आने से पहले भारत में तैनात अफगान राजदूत को ही देश का असल राजदूत मानती रही। इस बीच तालिबान ने अपने आदमी को एंबेसी इंचार्ज बना दिया। अब भारत के सामने उलझन ये हुई कि अगर वो साल 2021 वाले एंबेसेडर से ही राजनयिक संबंध रखता तो तालिबान नाराज हो जाता। वहीं मान्यता न देने की वजह से वो तालिबानी राजनयिक को भी नहीं मान सकता था। ये डिप्लोमेटिक नियमों से अलग हो जाता। इसी वजह से कई तरह के तकनीकी मुश्किलें आने लगीं।

वहीं तालिबान का कहना है कि एंबेसी ने माना कि उसे जरूरी सपोर्ट नहीं मिल पा रहा है। हालांकि जरूरी सपोर्ट का खुलास उसने नहीं किया। अफगानिस्तान के हितो को पूरा करने की उम्मीदों पर खरा न उत पाना भी एक वजह बताई गई। तालिबा एंबेसी ने माना कि उसके पास लोगों औ संसाधनों की कमी हो रही है। यहां तक वीजा रिन्यूअल भी समय पर नहीं हो प रहा। बाकी देशों में तालिबान की एंबेसी नहीं है। चूंकि कोई भी देश तालिबान को नहीं मानता है, इसलिए उसके पास आधिकारिक सरकारी दर्जा ही नहीं है। ऐसे में वो राजदूत अपॉइंट नहीं कर सकता। तालिबान ने इसके लिए बीच का रास्त निकालकर फॉरेन मिशन नाम से अपने लोगों को विदेशों में तैनात कर रहा है। जानकार बता रहे हैं कि यहां जिस झंडे क उपयोग हो रहा है, उसे इस्लामिक एमिरेट्स ऑफ अफगानिस्तान कहा जाता है, जबकि अफगानिस्तान सरकार इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ अफगानिस्तान के नाम से काम किया करती थी। हालांकि ये कोई डिप्लोमेटिक टेंशन नहीं, जिसकी वजह से तालिबान को ऐसा करना पड़ा। ऐसी स्थिति में भारत में बसे अफगानियों को कोई समस्या नहीं होगी। हां, वीजा या जिन जरूरतों के लिए वे लोग एंबेसी से संपर्क करते थे, उस प्रोसेस में जरूर कोई बदलाव आ सकता है। हो सकता है कि उनका कोई डिप्लोमेटिक मिशन या छोटा हिस्सा यह काम करता रहे ताकि अपने लोगों को समय पर उचित सलाह दे सके।

पाठ्यंक्रम तय करना सरकार का काम : सुप्रीम कोर्ट

–स्कूलों में सीपीआर पढ़ाने की याचिका को सर्वोच्च न्यायालय ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्कूली में बच्चों को क्या पढ़ाना, क्या नहीं पढ़ाना यह सरकार का काम है, इस संबंध में कोर्ट कोई निर्देश नहीं दे सकती है। बता दें कि हार्ट अटैक से जान बचाने में कारगर सीपीआर तकनीक को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग को लेकर एक याचिका लगाई थी, जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि याचिका में की गई मांग सरकार के नीतिगत मसलों के तहत आती है। सरकार को तय करना है कि स्कूली बच्चों का पाठ्यक्रम क्या हो। ऐसी अनगिनत चीजे हो सकती हैं जिनकी जानकारी बच्चों को पढ़ाई के दौरान ही होनी चाहिए पर कोर्ट अपनी ओर से उन सब को पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्देश नहीं दे सकता। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि इस बाबत आप चाहें तो सरकार को ज्ञापन दे सकते हैं। बता दें कि सीपीआर सिखाने की मांग करने वाली याचिका पर याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि हाल के समय में हार्ट अटैक से मौत के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्कूलों में बच्चों को हृदय रोग संबंधी शिक्षा दी जानी चाहिए।

याचिका में आपातकालीन स्थिति में सीपीआर के जरिए मरीज की सहायता कैसे की जाए, इसकी भी मांग की गई थी। लेकिन कोर्ट ने इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई ने कहा कि बच्चे क्या पढ़ें, यह हम तय नहीं कर सकते। बताया गया ?कि बीते कुछ महीनों से ऐसी कई घटनाएं सामने आ रही हैं जिसमें स्कूली बच्चे भी हार्ट अटैक के शिकार हुए हैं। इसी साल पिछले सितंबर माह में लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल में नौवीं कक्षा के एक छात्र की अचानक मौत हो गई थी। उस छात्र की मौत को भी हार्ट अटैक से मौत माना गया था। इसी तरह अक्टूबर के महीने में राजस्थान के बीकानेर में एक मासूम की देखते ही देखते तबीयत खराब हुई और उसकी मौत हो गई। इस तरह के कई और मामले देखे गए हैं।

विधानसभा से सस्पेंड हुए भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी, स्पीकर के अपमान का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा नेता और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी को मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। उन्हें विधानसभा के शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया गया था। उन पर विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। सत्ता पक्ष के विधायक तापस राय ने सुवेंदु को निलंबित करने का प्रस्ताव विधानसभा से लाया था। उन्होंने अपने प्रस्ताव में कहा कि संविधान दिवस पर एक संकल्प पर चर्चा के दौरान अधिकारी ने सदन के अंदर नारे लगाये। इसके बाद, वह और अन्य भाजपा विधायक अध्यक्ष की चेतावनी के बावजूद सदन से बाहर चले गये।

सोमवार को राज्य विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक खींचतान देखने को मिली। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र बिंदु बीजेपी का प्रस्ताव था। बीजेपी

ने राज्य सरकार की नीतियों पर चर्चा का प्रस्ताव रखा, लेकिन प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली। केवल प्रस्ताव पढ़ने की अनुमति दी गई, जिसके बाद भाजपा ने वॉकआउट कर दिया। विधानसभा कक्ष के बाहर बीजेपी विधायकों ने धरना दिया। तृणमूल के सभी लोगों पर चोर होने का आरोप लगाते हुए नारे लगाये गये। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए और जुबानी हमले किए। तृणमूल के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'क्या जनता ने हमें यहां झगड़ा करने या वेतन वसूलने के लिए भेजा है? इसलिए, हमने वही किया है जो भाजपा कर रही है।'

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इकाई के समर्थकों ने सोमवार को पार्टी के एक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के विरोध में पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के खेजुरी में राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और रैलिया निकालीं। भाजपा ने अपने 12 घंटे के बंद के आह्वान के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया। एक अधिकारी ने कहा कि खेजुरी में सड़क से वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अवरुद्ध हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध करने के लिए प्रदर्शनकारियों ने मार्ग पर लट्ठे डाल दिए। भाजपा ने खेजुरी में 12 घंटे के बंद का आह्वान किया है और आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं को मनगढ़ंत मामलों में गिरफ्तार किया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पीएम मोदी की कुछ ज्यादा ही कर दी तारीफ, विपक्ष ने घेरा

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कुछ ज्यादा ही कर दी। नतीजा ये हुआ कि धनखड़ विपक्ष के निशाने पर आ गए। दरअसल धनखड़ ने जैन गुरु और दार्शनिक श्रीमद राजचंद्रजी को समर्पित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं। बीती सदी के महापुरुष महात्मा गांधी थे। इस सदी के युगपुरुष नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सच्चाई और अहिंसा से हमें ब्रिटिशों की गुलामी से आजाद कराया था। प्रधानमंत्री मोदी ने हमें प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया, जिसे हम हमेशा देखना चाहते थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि महात्मा गांधी और पीएम मोदी दोनों ने श्रीमद राजचंद्रजी की शिक्षा को दर्शाती हैं।

धार्मिक स्थलों पर यूपी सरकार का एक्शन, उतरवाए गए अवैध रूप से लगे लाउडस्पीकर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में राज्य पुलिस ने धार्मिक स्थानों सहित सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकरों के खिलाफ एक महीने का अभियान शुरू किया है, जिसमें डेसिबल स्तर और वैधता की जांच की जा रही है। पहले दिन 3,238 अवैध लाउडस्पीकर हटाए गए और 7,288 लाउडस्पीकरों का डेसिबल स्तर कम किया गया। अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकरों के खिलाफ पिछले अदालती फैसलों के बाद इस अभियान का आदेश दिया गया है। अकेले आगरा में 187 लाउडस्पीकर हटा दिए गए और 79 लाउडस्पीकरों का डेसीबल स्तर कम कर दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, कानपुर पुलिस ने 26 नवंबर को शुरू हुए एक अभियान में 300 लाउडस्पीकरों को हटा दिया, जो निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे। कानपुर पुलिस की यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मानदंडों के विरुद्ध या निर्धारित डेसिबल सीमा से अधिक चलने वाले लाउडस्पीकर या ध्वनि एम्पलीफायरों को हटाने के आदेश पारित करने के बाद आई है। एक वीडियो में, हिंदू और मुस्लिम समुदायों के धार्मिक नेताओं को कानपुर पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में मंदिरों और मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाते हुए देखा जा सकता है। कानपुर पुलिस की मुहिम को देखकर शहर भर के कई धर्मगुरुओं ने भी खुद ही लाउडस्पीकर हटा दिए हैं। अपने अभियान में, पुलिस ने शहर भर के कई मंदिरों, मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थानों से लगभग 300 लाउडस्पीकर हटा दिए। पिछले साल अप्रैल में राज्य सरकार ने भी पूरे राज्य में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाने के लिए इसी तरह का अभियान चलाया था। उल्लंघन करने वालों को नोटिस दिया गया और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। महीने भर चलने वाले अभियान के लिए हर जिले में वरिष्ठ अधिकारियों की पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

राज्य पुलिस मुख्यालय से प्राप्त विवरण के अनुसार सोमवार को अभियान के पहले दिन राज्य भर में सार्वजनिक/धार्मिक स्थानों पर लगे 61,399 लाउडस्पीकरों की जांच की गई। अधिकारियों ने कहा कि 3238 अवैध लाउडस्पीकरों को हटा दिया गया, जबकि 7288 लाउडस्पीकरों का डेसीबल स्तर, जो अनुमेय सीमा से अधिक था, कम कर दिया गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उसकी लखनऊ पीठ ने कई मौकों पर राज्य सरकार को अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकरों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। अदालत ने बदायूँ जिले के एक निवासी की

याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश पारित किया था, जिसने शिकायत की थी कि जिले की बिसौली तहसील के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) ने अजान के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग करने के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

सूर्यकुमार यादव ने धोनी से कर दी युवा खिलाड़ी रिंकू सिंह की तुलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव ने महेन्द्र सिंह धोनी से युवा खिलाड़ी रिंकू सिंह की तुलना की है। उन्होंने कहा कि दोनों मैचों में मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रिंकू सिंह का बढ़िया योगदान देखने को मिला था। गौरतलब है कि क्रिकेट विश्व कप 2023 में भारतीय टीम के नाराज प्रशंसक अब संभलते नजर आ रहे हैं क्योंकि टीम इंडिया ने चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है। बता दें कि दूसरे टी 20 मुकाबले में तो रिंकू ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई थी। रिंकू सिंह की काबलियत देखकर मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनकी तुलना महेंद्र सिंह धोनी से की है। मुरली कार्तिक से बातचीत के दौरान सूर्यकुमार यादव ने रिंकू सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि वह वास्तव में शांत है। पिछले गेम में, वह तब आउट हुए जब भारत को लगभग 20 गेंदों पर 42 रन चाहिए थे। उन्होंने बिना किसी दबाव के खेला। आज के खेल में, उनके पास दो ओवर थे और हम 220-225 रन बनाने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन वह हमें 235 तक ले गए।

उन्होंने कहा कि रिंकू सिंह जिस तरह से खेल खत्म करता है वह मुझे किसी की याद दिलाता है। जब मुरली कार्तिक ने उसके बारे में पूछा तो सूर्यकुमार ने कहा कि हर कोई उस व्यक्ति के बारे में जानता है। उन्होंने इतने सालों तक भारत के लिए यही काम किया। सूर्या भारत के पूर्व खिलाड़ी के बारे में बात कर रहे थे, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स का नेतृत्व करते हैं। वहीं, दूसरे टी20 में शानदार प्रदर्शन के बाद रिंकू सिंह ने भी इस पर बात की थी। उन्होंने कहा कि मेरा काम टीम के स्कोर को अंतिम रूप देना है। मुझसे कहा गया है कि मुझे बल्लेबाजी के लिए कुछ ही ओवर मिलेंगे और मैं उसी के अनुसार खेलूंगा।

टी 20 वर्ल्डकप के लिए श्रीसंत ने चुनी अपनी टीम

मुंबई (एजेंसी)। वर्ल्डकप 2023 के बाद अब बारी टी20 वर्ल्डकप की है। टी 20 वर्ल्डकप का आयोजन अगले वर्ष जून में होगा। भारतीय टीम के अहम सदस्य एस. श्रीसंत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले अहम टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम चुनी है। पूर्व तेज गेंदबाज की टीम में हाल के समय में बेहद कम टी20 मैच खेले रोहित शर्मा और विराट कोहली जगह पाने में सफल रहे हैं।

श्रीसंत ने कहा, रोहित खेल रहे हैं या नहीं, यह बड़ा सवाल है। रोहित कैप्टन हैं, क्योंकि उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए इतने सारे खिताब जीते हैं। स्थितियों के अनुसार, रोहित या पंड्या में से कोई कैप्टन होगा। श्री ने अपनी टी20 वर्ल्डकप की भारतीय टीम में विराट कोहली, केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव को भी स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर पंत फिट हैं, तब वह भी तीसरे विकेटकीपर के रूप में टीम में होगा, क्योंकि वे मैच विनर हैं लेकिन इस सेटअप में आने के लिए उन्हें समय की जरूरत हो सकती है।

गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में एक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल होने के बाद से पंत भारतीय टीम से बाहर हैं। हालांकि उन्होंने अब अभ्यास शुरू कर दिया है। गेंदबाज के रूप में उन्होंने शमी, जसप्रीत बुमराह, सिराज, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव को जगह दी है। उन्होंने कहा कि मैं पंत को ध्यान में रखते हुए 15 की बजाय 16 सदस्यों वाली टीम चुन रहा हूं इसमें केएल राहुल, ईशान किशन और पंत विकेटकीपर की रोल में होंगे। श्रीसंथ ने कहा कि सिलेक्टर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और आईपीएल के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए भी कुछ प्लेयर्स को टीम में चुनना चाहिए।

श्रीसंत की टी20 वर्ल्डकप की भारतीय टीम: रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, यशस्?वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, केएल राहुल, ऋषभ पंत, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव।

शुभमन गिल ने कहा, गुजरात टाइटन्स कप्तानी संभालने पर मुझे गर्व

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत के उभरते सितारे शुभमन गिल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें सीजन से पहले इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स के कप्तान के रूप में घोषित होने पर खुशी जाहिर की हैं। पूर्व जीटी कप्तान हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस में जाने के बाद लिटिल प्रिंस यानी शुभमन गिल को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई। गिल ने कहा कि उन्हें यह भूमिका निभाने पर गर्व है और उन्होंने उन पर भरोसा जताने के लिए फ्रेंचाइजी को धन्यवाद दिया। गिल ने लिखा, गुजरात टाइटंस की कप्तानी संभालने पर मुझे गर्व है और इतनी अच्छी टीम का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं फ्रेंचाइजी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

गिल ने आईपीएल की 33 पारियों में 47.34 की औसत से 3 शतक और 8 अर्द्धशतक के साथ 1373 रन बनाए हैं। पिछला सीजन सलामी बल्लेबाज के लिए यादगार था क्योंकि उन्होंने 17 मैचों में 59.33 की औसत से 3 शतक और 4 अर्द्धशतक के साथ 890 रन बनाए और उन्हें ऑरेंज कैप विजेता भी नामित किया गया था। सलामी बल्लेबाज ने आईपीएल में अपनी शुरुआत के बाद से जीटी की सनसनीखेज दौड़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पिछले सीजन में, उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 60 गेंदों में 129 रन बनाए, जो कि आईपीएल प्लेऑफ में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे अधिक स्कोर है। बहरहाल, गिल ने अपनी घोषणा में कहा कि मैं गुजरात टाइटन्स की कप्तानी संभालने से खुश और गौरवान्वित हूं और इस तरह का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए फ्रेंचाइजी को धन्यवाद देता हूं। बढ़िया टीम। हमारे पास 2 असाधारण सीज़न हैं और मैं क्रिकेट के हमारे रोमांचक ब्रांड के साथ टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूं।

कैरेबियन खिलाड़ी को उम्मीद रोहित और कोहली खेल सकते हैं टी-20 सीरिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप के मुकाबले जून 2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रूप से खेल जाने हैं। पिछले दिनों वर्ल्ड कप में 2023 में टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन कर लगातार 10 मैच जीते थे, लेकिन उस फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। इसके बाद सवाल उठ रहें कि क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज टी20 वर्ल्ड कप में खेलने वाले हैं या फिर नहीं।

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने कहा, मुझे लगता है कि भारत जो भी टीम चुनेगा, वह मजबूत होगी। लेकिन आप अनुभव की जगह नहीं ले सकते। कोहली और रोहित अपने साथ अनुभव लेकर आते हैं। वे कैरेबियन स्थितियों को जानते हैं, वे वहां खेल चुके हैं। मालूम हो कि कप्तान रोहित ने वर्ल्ड कप में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर 597 रन बनाए थे।वहीं कोहली ने 3 शतक के सहारे 700 से अधिक रन बनाने में सफल रहे थे। विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था।

लारा ने कहा कि मुझे लगता है कि दोनों ही दिग्गज जिस तरह के खिलाड़ी, यकीन है कि उन्हें पता है वे क्या करना चाहते हैं, कितना करना चाहते हैं। इसके बाद उम्मीद है कि रोहित और विराट टी20 वर्ल्ड कप में उतर सकते हैं। मालूम हो कि टीम इंडिया ने अंतिम बार 2007 में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। भारतीय टीम को 2013 से आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान से टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद आईपीएल 2024 है। टी20 लीग का प्रदर्शन भी टीम सेलेक्शन के लिए अहम होगा। 35 साल के कोहली ने टी20 इंटरनेशनल में एक शतक और 37 अर्धशतक के सहारे 4008 रन बनाए हैं। वे ओवरऑल टी20 में 8 शतक और 91 अर्धशतक के दम पर 11965 रन बना चुके हैं।

आखिरी दो नॉकआउट मैच जीतने पर भारत होगा टी20 विश्व कप का दावेदार

मुंबई । पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि यदि दो नॉकआउट मैच जीतते हैं तो अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप का खिताब भारत के लिए तैयार है। उन्होंने भारत को बड़ा दावेदार करार देते हुए कहा कि चैम्पियन बनने के लिए इस टीम को आखिरी दो नॉकआउट मैचों में विजेता बनना होगा। बता दें कि भारतीय टीम को एकदिवसीय विश्व कप में शानदार अभियान के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। शास्त्री ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा कि कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। यहां तक कि महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को भी विश्व कप जीतने के लिए छह विश्व कप का इंतजार करना पड़ा। रवि शास्त्री ने कहा कि आप विश्व कप आसानी से नहीं जीतते, एक विश्व कप जीतने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी पड़ती है। उस बड़े दिन फाइनल में टीम को अच्छा प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने कहा, कि 'फाइनल में पहुंचने के बाद यह मायने नहीं रखता कि आपने टूर्नामेंट में पहले क्या किया है। उन्होंने कहा कि जब आप शुरुआती बाधा को पार कर लेते हैं तो सिर्फ शीर्ष चार टीम होती हैं और आपको आखिरी दो मैच में अच्छा करना होता है। उन दो मैचों में अगर आपका प्रदर्शन अच्छा रहा तो आप चैम्पियन बनते हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने ऐसा ही किया, वे अपने शुरुआती दो मैच हार गये थे लेकिन उन्होंने जब अच्छे प्रदर्शन की जरूरत थी तब अच्छा किया। भारत के इस पूर्व हरफनमौला चैंपियन ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत के पास कई युवा खिलाड़ी हैं। बता दें कि टी20 विश्व कप का आयोजन चार जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होगा। उन्होंने कहा कि 'वनडे प्रारूप में शायद यह आसान नहीं होगा क्योंकि आपको फिर से टीम का गठन करना होगा। लेकिन टी20 क्रिकेट विश्व कप में भारत गंभीर चुनौती पेश करेगा।

भारतीय टीम के निशाने पर पाकिस्तान का नायाब रिकॉर्ड, इस मामले में भारत कर लेगा बराबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही टी20 सीरीज में भारतीय टीम पाकिस्तान का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने की कगार पर है। दरअल, पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत ने 2-0 से जीत दर्ज कर बढ़त हासिल की है। इसी के साथ भारतीय टीम ने सर्वाधिक टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने के मामले में पाकिस्तान की बराबरी कर ली है। भारतीय टीम अब एक मुकाबला जीतते ही इस बड़े रिकॉर्ड को अपने नाम कर लेगी।

भारत ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में कुल 211 मैच खेले हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दर्ज की गई जीत, भारत की 135वीं जीत रही। वहीं पाकिस्तान ने अभी तक 226 टी20 मुकाबलों में 135 जीत अपने नाम दर्ज की हैं। भारतीय टीम पाकिस्तान के इस रिकॉर्ड को तोड़ देगी अगर वो तीसरे टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हरा देती है।

वहीं गुवाहाटी में खेले जाने वाले मुकाबले में अगर भारत ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है तो वो सीरीज पर भी अपना कब्जा जमा लेगा। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेले गए दूसरे मुकाबले में टी20 में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले गेंदबाजी करने का न्योता दिया था। जिसमें भारत की तरफ से बेहतरीन बल्लेबाजी की गई। और भारत ने कंगारू टीम को हराकर सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

आईपीएल 2024 के लिए एमएस धोनी ने शुरू की तैयारी, टेनिस खेलने का वीडियो वायरल

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 के लिए सभी टीमों की तैयारियां जोरों शोरो पर है। वहीं इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है। दरअसल, एमएस धोनी ने तैयारी शुरू कर दी है। चेन्नई सुपर किंग्स के रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट सामने आते ही साफ हो गया था कि एमएस धोनी आगामी सीजन में एक बार फिर बतौर कप्तान नजर आएंगे। हालांकि, सबसे बड़ी चिंता फैंस को उनके घुटने की चोट को लेकर है। धोनी पहले ही साफ कर चुके हैं कि वो आईपीएल का नया सीजन खेलेंगे। लेकिन वह कितने मैच खेलते हुए नजर आएंगे इस पर अभी भी सस्पेंस बरकरार है। धोनी की आईपीएल के पिछले सीजन के तुरंत बाद घुटने की सर्जरी हुई थी। जिस कारण वो पिछले काफी समय से रिहैब प्रोसेस में हैं। वह कुछ दिन पहले अपनी पत्नी के साथ अपने पैतृक गांव भी पहुंचे थे। जहां धोनी सीढ़ियों से उतरते समय घुटने की चोट से परेशान लग रहे थे। हालांकि, वर्तमान वीडियो के सामने आने से सीएसके फैंस खुश दिख रहे हैं।

फिलहाल, उनका वीडियो आया है, जिसमें वह अपने साथियों के साथ टेनिस खेलते हुए दिख रहे हैं। धोनी काफी एक्टिव नजर आ रहे हैं और लग नहीं रहा है कि उनको घुटने में कोई परेशानी है।

इंग्लैंड के खिलाफ मौके का पूरा फायदा उठाना चाहेगी भारतीय महिला 'ए' टीम

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला 'ए' टीम बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ यहां शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में मिले मौके का पूरा फायदा उठाना चाहेगी। श्रृंखला यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेली जाएगी जिसका दूसरा मैच एक दिसंबर और तीसरा मैच तीन दिसंबर को होगा।

'ए' टीम के इन तीन मैचों के बाद भारत और इंग्लैंड की सीनियर महिला टीम तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और एक टेस्ट मैच खेलेंगी। सीनियर टीम के सभी मैच मुंबई में होंगे जिसकी शुरूआती छह दिसंबर को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी। भारतीय महिला क्रिकेटरों के लिए यह व्यस्त सत्र होने वाला है क्योंकि इंग्लैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया का भारत में एक लंबा दौरा होगा जिसमें एकमात्र टेस्ट के अलावा तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होंगे।

भारत की महिला सीनियर टीम की घोषणा अभी की जानी है। भारत ए टीम की अगुआई केरल की मीनू मणि करेंगी। ए टीम की खिलाड़ियों के लिए यह श्रृंखला प्रेरणा का काम करेगी क्योंकि इसके प्रदर्शन से वे खुद को सीनियर टीम में चयन के लिए दावेदार बनाना चाहेंगी। मणि ने चार महीने पहले जुलाई में बांग्लादेश के दौरे पर अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था जिससे इस 24 साल की आल राउंडर के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी दी गयी है। वह महिला प्रीमियर लीग के शुरूआती चरण में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेली थीं।

इस 'ए' श्रृंखला में ध्यान भारत की संभावित खिलाड़ी कर्नाटक की श्रेयंका पाटिल पर भी लगा होगा जिन्होंने साल के शुरू में महिला प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया था और वह महिलाओं की कैरेबियाई प्रीमियर लीग से करार करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी भी बनी थीं।

पंजाब की बल्लेबाज कनिका आहूजा के प्रदर्शन पर भी सभी की निगाहें होंगी जिन्होंने एसीसी महिला एमर्जिंग टीम्स कप के फाइनल में 30 रन बनाकर और दो विकेट झटककर हरफनमौका प्रदर्शन किया था। युवा ऑफ स्पिनर मन्नत कश्यप पर भी निगाहें लगी होंगी जबकि जी त्रिशा, दिनेश वृंदा और जी दिव्या से भी अच्छा प्रदर्शन करने की आस है। इंग्लैंड ए ने अभी अपनी टीम घोषित नहीं की है जो ओमान में ट्रेनिंग शिविर के बाद यहां आयी है।

भारत महिला ए टीम : मीनू मणि (कप्तान), कनिका आहूजा, उमा छेत्री (विकेटकीपर), श्रेयंका पाटिल, जी त्रिशा, वृंदा दिनेश, ज्ञानानंदा दिव्या, आरुशी गोयल, दिशा कसाट, राशि कनौजिया, मन्नत कश्यप, अनुषा बारेड्डी, मोनिका पटेल, काश्वी गौतम, जिन्तिमणि कलिता, प्रकाशिका नाइक।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दिखाई खेल भावना

रियाद । अल नासर के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने खेल भावना का शानदार नजारा पेश करते हुए ईरान के पर्सेपोलिस क्लब के खिलाफ एशियाई चैम्पियंस लीग (एसीएल) के गोलरहित ड्रा मुकाबले में खुद को मिले पेनल्टी मौके को रद्द करने में मदद की। रोनाल्डो मैच के शुरूआत में ही बॉक्स के अंदर गिर गए और रैफरी ने तुरंत ही पेनल्टी प्रदान कर दी। लेकिन रोनाल्डो ईमानदारी दिखाकर पेनल्टी का विरोध कर रहे पर्सेपोलिस के खिलाड़ियों के साथ शामिल हो गए। फिर रैफरी मा निंग ने पिच के पास लगे मॉनिटर पर इसकी जांच की और अपने फैसले को पलट दिया। अल नासर के डिफेंडर अली लाजिमी को मैच के 17 मिनट के अंदर ही लाल कार्ड दिखा दिया गया जिससे टीम 10 खिलाड़ियों के साथ मैदान पर थी। अल नासर ग्रुप ई विजेता के तौर पर पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुका है। इसी ग्रुप में कतर के अल दुहेल ने ताजिकिस्तान के इस्तिकलोल को 2-0 से हराकर पहली जीत हासिल की जिसमें कीनिया के स्ट्राइकर माइकल ओलुंगा ने दोनों गोल दागे। ग्रुप सी में सऊदी अरब चैम्पियन अल इतिहाद ने उज्बेकिस्तान के एजीएमके को 2-1 से हराकर नॉकआउट चरण में क्वालीफाई किया।

आइसलैंड क्रिकेट ने उड़ाया पीसीबी का माखौल, चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने की पेशकश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आइसलैंड क्रिकेट एसोसिएशन ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 आयोजन की मेजबानी को लेकर एक बार फिर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का मजाक उड़ाया है। बता दें कि, पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2017 का विजेता था और यही कारण था कि उसे मेजबानी का अधिकार दिया गया था। भारत टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं जाना चाहता और वह इस पर कायम है। जिस कारण अब सवाल ये है कि क्या चैंपियंस ट्रॉफी 2025 एशिया कप की तरह ही हाइब्रिड मॉडल के अंदर खेला जाएगा। या ये पूरी तरह से पाकिस्तान से बाहर कराया जाएगा।

आइसलैंड ने इस आयोजन की पूरी मेजबानी करने की पेशकश करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। ट्वीट में, आइसलैंड ने आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले को लिखा और व्यंग्यपूर्वक इस कार्यक्रम की मेजबानी करने की पेशकश की। इस दौरान आइसलैंड बोर्ड ने लिखा, हम पीछे हटने वाले लोग नहीं हैं। हमने आज 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए अपनी बोली जारी की है। हम ये सुनने के लिए उत्सुक हैं कि आईसीसी के ग्रेग बार्कले इस बारे में क्या कहते हैं।

बता दें कि, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में फरवरी-मार्च के बीच खेली जाएगी। इसमें कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। वर्ल्ड कप 2023 की अंक तालिका में टॉप 8 टीमें इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। सबसे बड़ा सवाल इसके आयोजन स्थान को लेकर है। ये पाकिस्तान में होना है लेकिन भारत का रुख साफ है कि वह पाकिस्तान में टूर्नामेंट के लिए नहीं जाना चाहता। जिस कारण कयास लगाए जा रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला जाएगा। या फिर कुछ मैच पाकिस्तान में होंगे।

हॉकी शिविर के लिए 39 सदस्यीय कोर ग्रुप घोषित

स्पोर्ट्स डेस्क। हॉकी इंडिया ने स्पेन में आगामी पांच देशों के टूर्नामेंट की तैयारी के मद्देनजर पुरुष राष्ट्रीय शिविर के लिए मंगलवार को 39 सदस्यीय कोर ग्रुप टीम की घोषणा की। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन अगले साल पेरिस ओलंपिक के लिए नये दृष्टिकोण के साथ तैयारी करना चाहते हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। अब टीम 15 दिसंबर से वालेंसिया में पांच देशों का टूर्नामेंट खेलेगी। विश्व चैम्पियन जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम और मेजबान स्पेन टूर्नामेंट की अन्य टीम हैं। पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर बुधवार से बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में शुरू होगा। फुल्टन ने कहा, ''हांगझोउ एशियाई खेलों के सफल अभियान के बाद लंबा ब्रेक रहा। टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों ने चेन्नई में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया और मुझे भी कुछ युवा और उभरते हुए खिलाड़ियों को करीब से खेलते हुए देखने का मौका मिला।'' उन्होंने कहा, ''हम अब पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों में नये दृष्टिकोण के साथ बेंगलुरु के साइ केंद्र में एकजुट होंगे।'' फुल्टन ने आगे कहा, ''जैसा कि मैंने कहा है कि यह एक प्रक्रिया है और हम एशियाई खेलों के अभियान पर गौर करेंगे और समझेंगे कि हम बतौर टीम कैसे बेहतर कर सकते हैं और इस दिशा में ही आगे काम करेंगे।'' राष्ट्रीय शिविर के कोर ग्रुप में वो सभी 18 खिलाड़ी हैं जिन्होंने पिछले महीने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है।

टीम कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ''पिछले हफ्ते काफी अच्छे रहे क्योंकि हमने परिवार के साथ समय बिताया और चेन्नई में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में अपने घरेलू राज्य के लिए भी खेले। अब हम राष्ट्रीय शिविर में टीम को बेहतर करने की कोशिश करेंगे।''

कोर संभावित ग्रुप में खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है।

गोलकीपर : कृष्ण बहादुर पाठक, पी आर श्रीजेश , सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत।

मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फॉरवर्ड- एस कार्ति, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, पवन राजभर।

ईशान ने अपनी उम्र बताई 82 साल, फुटबॉल खेलने में हैं माहिर

-बीसीसीआई के हर सवाल का दिया उल्टा जवाब, हरकोई वीडियो देख हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर, बैटर ईशान किशन का एक वीडियो देख हर कोई हैरान हो रहा है। दरअसल यह वीडियों खुद बीसीसीआई ने ही सोशल मीडिया में जारी किया है। इस वीडियों में पूछे जाने पर उन्होंने अपनी उम्र 82 साल बताई है। साथ ही हर सवाल का उलटा जवाब दिया है। गौरतलब है कि टीम इंडिया अभी ऑस्ट्रेलिया से टी20 सीरीज खेल रही है। 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 2-0 से आगे है। सीरीज का तीसरा मैच आज गुवाहाटी में होना है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी। पहले दोनों मैच में विकेटकीपर बैटर ईशान किशन ने अर्धशतक जड़ा। इस बीच बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर ईशान का एक वीडियो पोस्ट किया है, इसमें वे सूर्यकुमार यादव को विकेटकीपर गेंदबाज बता रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बीसीसीआई ने ईशान किशन का वीडियो डालते हुए लिखा, सिर्फ गलत ऑन्सर देना ईशान किशन। इसके बाद ईशान पूछे जा रहे सवालों का जवाब देते हुए दिख रहे हैं। पहले उनसे पूछा गया, आपका नाम क्या है, इस पर ईशान ने कहा कि वीवीएस लक्ष्मण। आपकी उम्र कितनी हैं, 82 साल। आप कौन-सी भाषा बोलते हैं, स्पेनिश। आप कौन सा खेल खेलते हैं, फुटबॉल।

इस तरह से वीडियो में ईशान किशन हर सवाल के गलत जवाब देते हुए दिखाई दे रहे हैं। जब ईशान किशन से पूछा गया कि सूर्यकुमार यादव कौन हैं, इस पर उन्होंने कहा कि विकेटकीपर बॉलर। विराट कोहली और रोहित शर्मा कौन सा खेल खेलते हैं, खो-खो। आपके बालों का रंग क्या है, ऑरेंज। जब आप बैट से शॉट लगाते हैं, तो कैसी आवाज आती है, म्यॉऊं। वर्ल्ड कप 2023 कहां खेला गया, ब्राजील। इस तरह से उन्होंने हर सवाल के उलटे जवाब दिए। यहां गौरतलब है कि ईशान किशन वर्ल्ड कप की टीम में भी शामिल थे, लेकिन उन्हें सिर्फ 2 ही मैच में मौका मिला था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज से सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

तलवार संग सात फेरे लेकर रानी ने बनवाया था राजरणछोड़ मंदिर

महाराजा जसवंतसिंह के विक्रम संवत 1952 में देहावसान के बाद रानी ने वृद्धावस्था में जोधपुर में भगवान कृष्ण का भव्य मंदिर बनवाया

सूर्यनगरी के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में शुमार राजरणछोडजी का मंदिर जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह की द्वितीय रानी एवं जामनगर के राजा वीभा की पुत्री जाड़ेची राजकंवर ने बनवाया। सन 1905 में बने मंदिर निर्माण पर रानी ने ? कुल एक लाख खर्च किए। मात्र नौ वर्ष की आयु में जाड़ेची राजकंवर का विवाह जोधपुर के तत्कालीन राजकुमार जसवंतसिंह के साथ हुआ था। वर्ष 1854 में यह 'खाण्डा' विवाह था जिसमें जसवंत विवाह के लिए जामनगर नहीं गए बल्कि उनकी सिर्फ तलवार को वहां भेजा गया। तलवार के साथ राजकुमारी राजकंवर ने सात फेरे लिए थे। विवाह की कुछ रस्में जालोर में भी पूरी की गईं।

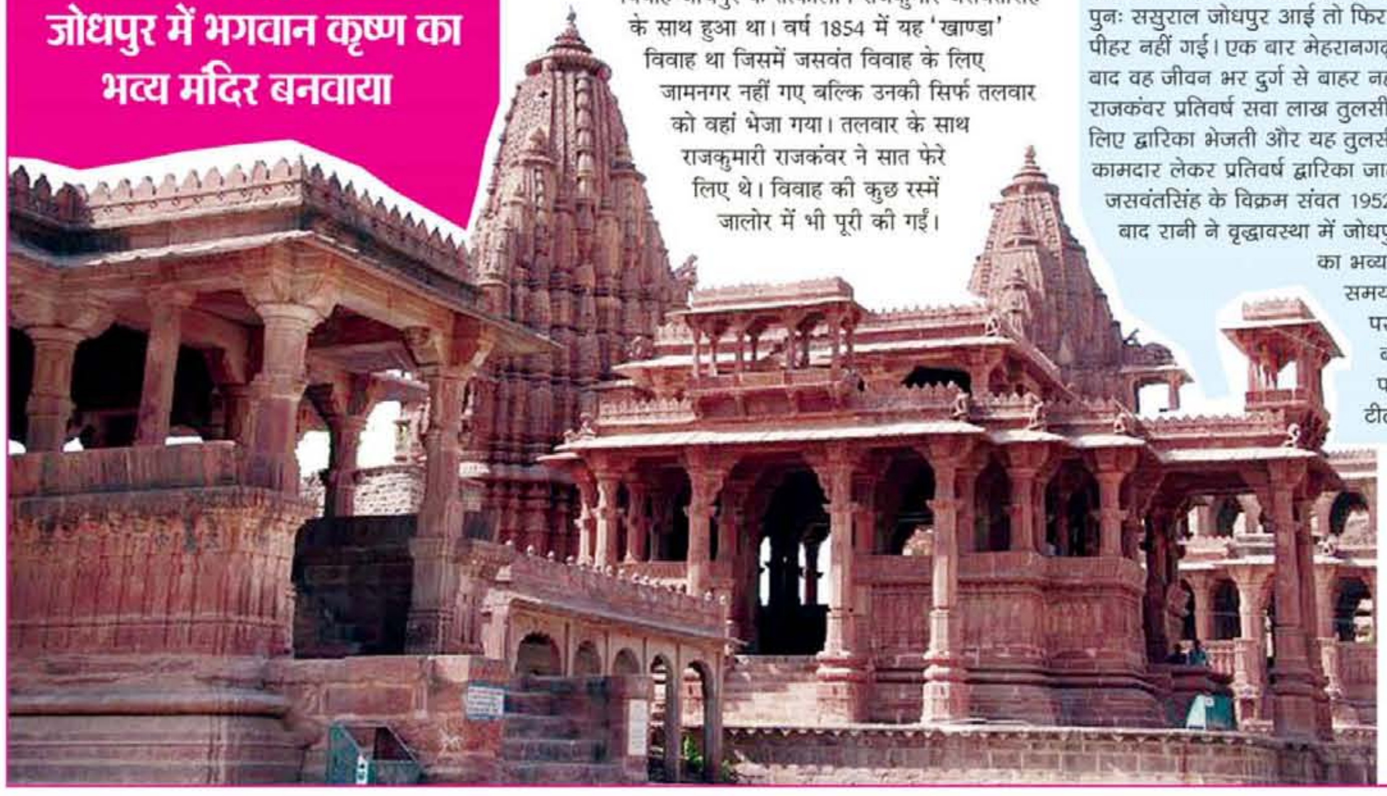

रानी राजकंवर ने बनवाया था मंदिर

विवाह के बाद राजकंवर जोधपुर पहुंची लेकिन चंद दिनों बाद जामनगर लौट गईं। जब वह तेरह वर्ष की हुई तब पुनः ससुराल जोधपुर आई तो फिर कभी लौटकर अपने पीहर नहीं गई। एक बार मेहरानगढ़ में प्रवेश करने के बाद वह जीवन भर दुर्ग से बाहर नहीं निकली। रानी राजकंवर प्रतिवर्ष सवा लाख तुलसी दल अभिषेक के लिए द्वारिका भेजती और यह तुलसी दल? पुजारी तथा कामदार लेकर प्रतिवर्ष द्वारिका जाते थे। महाराजा जसवंतसिंह के विक्रम संवत 1952 में देहावसान के बाद रानी ने वृद्धावस्था में जोधपुर में भगवान कृष्ण का भव्य मंदिर बनवाया। उस समय यह मंदिर जोधपुर परकोटे के बाहर बाईजी का तालाब के पास एक ऊंचे रेतीले टीले पर बनवाया गया।

पूजा के लिए कभी मंदिर में नहीं गई थी रानी

जोधपुर रेलवे स्टेशन के ठीक सामने स्थित ? आस-पास की जमीन को तीस फीट ऊंचा बनाया गया ताकि रानी राजकंवर मेहरानगढ़ की प्राचीर से दर्शन कर सकें। रानी ? ने अपने सम्पूर्ण जीवन में कभी दुर्ग की प्राचीर नहीं लांघी। मंदिर के निर्माण के बाद रानी किले की प्राचीर से ही संध्या के समय खड़ी होकर दर्शन करती थीं। मंदिर का पुजारी आरती की ज्योत को मंदिर के चौक के दरवाजे के बाहर लेकर खड़ा होता था। किले की प्राचीर से रानी उसी ज्योत के दर्शन करती थीं। स्वयं रानी राजकंवर कभी मंदिर में दर्शनार्थ नहीं पहुंचीं।

यूं पड़ा मंदिर का नाम राजरणछोड़

रानी के आराध्य कृष्ण को रणछोड़ भी कहा जाता है। रानी ने अपने नाम राज के ? साथ अपने आराध्य रणछोड़ का नाम जोड़कर मंदिर का नाम राजरणछोड़ मंदिर रखा। राजकंवर के पुत्र महाराजा सरदारसिंह की मौजूदगी में 12 जून 1905 के दिन मंदिर को भक्तों के दर्शनार्थ खोला गया। मंदिर के नीचे वाले भाग में कई कोटड़िया बनाई गईं जो अब दुकानों का रूप ग्रहण कर चुकी हैं। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक सराय का निर्माण भी करवाया था जो आज जसवंत सराय के नाम से जानी जाती है।

चांदी के झूले में श्रावण उत्सव

वर्तमान में देवस्थान प्रबंधित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर में जन्माष्टमी, अन्नकूट व श्रावण मास में झूलों का आयोजन होता है। श्रावण मास में विशाल चांदी से निर्मित झूले में ठाकुरजी को विराजित कर दशनार्थ रखा जाता है। मंदिर के पुजारी हरिलाल शिवलाल ठाकर ने बताया कि उनके परदादा रानी राजकंवर के साथ दहेज में साथ आए थे। मंदिर में पहले वर्ष भर में कुल 21 ठाकुरजी के उत्सव होते थे जो अब घटकर मात्र दो तीन रह गए हैं।

कलात्मक तोरण द्वार

राजरणछोड़ मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार कलात्मक है। लाल पत्थर से निर्मित दो विशाल स्तंभ से सुसज्जित स्तंभों पर बेल बूटों तथा सुंदर फूल पत्तियों की खुदाई तथा शीर्ष से दोनों स्तंभों को जोडने वाले मेहराब का आकर्षण देखते ही बनता है। मंदिर के अग्र भाग के दोनों सिरों पर कलात्मक छतरियां और मुख्य द्वार से लगभग तीस सीढ़ियां पूरी होने के बाद एक तोरणद्वार निर्मित है। सीढ़ियों के दोनों तरफ खुले स्थल पर बारादरियां हैं। मंदिर के गर्भगृह में काले मकराना पत्थर को तराश कर बनाई गई भगवान रणछोड की प्रतिमा स्थापित है।

वृन्दावन के इस मंदिर में अंकित है कृष्ण के चरण चिन्ह

वृन्दावन के राधा दामोदर मंदिर में एक गिर्राज शिला रखी हुई है जिसे भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं अपने भक्त सनातन गोस्वामी को दिया था। सनातन गोस्वामी वृन्दावन से नित्य गोवर्धन पैदल जाते थे तथा वहां पर सप्तकोसी परिक्रमा कर वापस फिर वृन्दावन राधा दामोदर मंदिर में आ जाते थे। अत्यन्त वृद्ध होने पर एक बार जब वे थककर परिक्रमा मार्ग में बैठ गए तो ठाकुर जी साधारण मानव के रूप में उनके सामने प्रकट हो गए।

वृन्दावन के राधा दामोदर मंदिर में एक गिर्राज शिला रखी हुई है, इस शिला की चार परिक्रमा करने पर गिर्राज परिक्रमा का पुण्य तथा मृत्यु के बाद स्वर्ग मिलता है

इस शिला पर स्वयं भगवान कृष्ण ने अंकित किए थे अपने चरण चिन्ह

उन्होंने वृद्धावस्था के कारण थके हुए सनातन से परिक्रमा न करने को कहा तो सनातन के अश्रुधारा बह निकली। इसके बाद ठाकुर के रूप में आए भगवान कृष्ण ने एक शिला उठाई। ज्योंही उन्होंने उस पर अपने चरणकमल रखे कि शिला मोम की तरह पिघल गई और उस पर उनके चरण कमल बन गए। इसके बाद वंशी बजाकर उन्होंने सुरभि गाय को बुलाया और उसका खुर उस पर रखकर उसका निशान अंकित कर दिया। श्रीकृष्ण ने अपनी वंशी और लकुटी का चिन्ह अंकित कर वह शिला सनातन को दे दी तथा अपना विराट रूप दिखाया। कृष्ण ने भक्त सनातन को कहा कि इस शिला को वहां रख दें जहां वृन्दावन में वह रहते हैं। इसकी चार परिक्रमा करने पर उनकी एक गिर्राज परिक्रमा हो जाएगी। यही शिला आज भी राधा दामोदर मंदिर वृन्दावन में रखी है तथा तड़के चार बजे से इस शिला की परिक्रमा शुरू हो जाती है। अधिक मास में जो लोग गोवर्धन की सप्तकोसी परिक्रमा नही कर पाते वे या तो इस मंदिर में या श्रीकृष्ण जन्मस्थान स्थित गिर्राज मंदिर की चार परिक्रमा नित्य करते हैं तो उनकी एक परिक्रमा हो जाती है।

मलमास/ पुरुषोत्तम मास में गिर्राज शिला की परिक्रमा का है विशेष महत्व

गोवर्धन पीठाधीश्वर कृष्णदास कंचन महाराज ने अधिक मास के संबंध में शास्त्रों का जिक्र करते हुए बताया कि अपनी उपेक्षा से दुःखी मलमास जब भगवान विष्णु के पास पहुंचा तो वह उसे श्रीकृष्ण के पास ले गए और उनसे उसे स्वीकार करने का अनुरोध किया। भगवान श्रीकृष्ण ने उसे स्वीकार करते हुए कहा कि उनके सभी गुण, कीर्ति, अनुभव, छहों ऐश्वर्य, पराक्रम एवं भक्तों को वरदान देने की शक्ति इस मास में भी आ जाएगी और यह पुरूषोत्तम मास के नाम से मशहूर होगा। भगवान कृष्ण ने कहा कि जो भी भक्तिपूर्वक इस मास में पूजन अर्चन करेगा वह सम्पत्ति, पुत्र, पौत्र आदि का सुख भोगता हुआ गोलोक धाम को प्राप्त करेगा। दानघाटी मंदिर के सेवायत आचार्य मथुरा प्रसाद कौशिक ने बताया कि चूंकि भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं गिर्राज गोवर्धन की पूजा की थी और द्वापर में गोवर्धन पूजा के समय एक स्वरूप से गिर्राज गोवर्धन में प्रवेश कर गए थे इस कारण गोवर्धन को साक्षात श्रीकृष्ण भी माना जाता है इसलिए इसकी परिक्रमा करने की होड़ लग जाती है। ऐसे में गिर्राज तलहटी में परिक्रमार्थियों की न टूटने वाली ऐसी माला बन जाती है जहां पर अपने पराये का भेद मिट जाता है।

प्रयागराज में मिले देवी लक्ष्मी के चरण चिह्न!

विराजी है लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गाजी

छत्तीसगढ़ के प्रयागराज यानी राजिम में पुरातात्विक खुदाई में देवी लक्ष्मी के चरण चिह्न मिले हैं। पहली बार लक्ष्मी के चरण चिह्न मिलने से राजिम क्षेत्र को पौराणिक कथाओं में 'श्री क्षेत्र' कहे जाने की पुष्टि हुई है। यहां खोज कार्य कर रहे पुरातत्वविद् डॉ. अरूण शर्मा ने बताया कि माता लक्ष्मी के चरण चिह्न पूरे छत्तीसगढ़ में पहली बार मिले हैं। ये मौर्यकालीन उत्तर मुखी त्रिदेवी मंदिर में लाल पत्थर पर अंकित मिलते हैं।

छत्तीसगढ़ के प्रयागराज यानी राजिम में पुरातात्विक खुदाई में देवी लक्ष्मी के चरण चिह्न मिले हैं। पास ही लक्ष्मी, सरस्वती व दुर्गाजी का उत्तरमुखी मंदिर भी मिल चुका है

ये चरण चिह्न दो कमल फूलों पर मिले हैं, जिसमें से एक कमल का फूल सीधा और एक उल्टा है। उल्टे कमल फूल के ऊपर ये चरणचिन्ह हैं। चरण चिह्न 60 गुणा 60 सेंटीमीटर के लाल पत्थर पर मिले हैं। इसके ऊपर 15 सेंटीमीटर के व्यास के अंदर ये चिह्न अंकित हैं। शर्मा का कहना है कि माता लक्ष्मी के चरण चिन्ह मिलने से इस बात की प्रामाणिकता सिद्ध होती है कि पौराणिक कथाओं में राजिम क्षेत्र को श्री क्षेत्र कहा जाता था। वहीं लक्ष्मी देवी की उपासना ढाई हजार साल पूर्व से चली आ रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले राजिम के सीताबाड़ी में एक मंदिर परिसर में स्थित तीन गर्भगृहों में विराजित लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा देवी का उत्तरमुखी मंदिर भी मिल चुका है। बड़े-बड़े पत्थरों को तराशकर बनाया गया यह मंदिर ढाई हजार साल पुराना, यानी मौर्यकालीन बताया जा रहा है।

पुरात्वविदों ने 12वीं शताब्दी में बाढ़ से इस मंदिर के क्षतिग्रस्त होने की बात कही है। इसके अलावा खुदाई में पांडुवंश में निर्मित मकानों की विस्तृत श्रृंखलाएं भी मिल रही हैं। पुरातत्वविद् डॉ. शर्मा ने बताया कि इस मंदिर की उत्तर-दक्षिण लंबाई 9.65 मीटर और पूर्व-पश्चिम चौड़ाई 8.90 मीटर है। उनका कहना है कि मंदिर के चारों तरफ की दीवारें बड़े-बड़े तराशे हुए पत्थरों से निर्मित हैं। वहीं दक्षिण में तीन गर्भगृह हैं। बीच का गर्भगृह सबसे बड़ा 1.60 मीटर लंबा-चौड़ा है।

शांत मुद्रा वाली नृसिंह की मूर्ति भी मिली

डॉ. अरूण शर्मा ने बताया कि माता लक्ष्मी के चरण चिह्न मिलने के साथ ही राजिम में एक व्यक्ति के यहां शांत मुद्रा वाली नृसिंह की मूर्ति भी मिली है। मूर्ति 10 गुणा 9 गुणा 2.5 सेंटीमीटर की है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर नृसिंह की हिरण्यकश्यप का वध करती हुई प्रतिमा मिलती आई है, लेकिन नृसिंह भगवान की शांत मुद्रा वाली ये मूर्ति छत्तीसगढ़ में अब तक चार स्थानों पर प्राप्त हुई है। इसमें सिरपुर, गिदपुरी, केशकाल तथा अब राजिम शामिल है। मूर्ति काले ग्रेनाइट पत्थर की बनी हुई है।

आमेर के पहाड़ों में भी बजी थी भगवान कृष्ण की बांसुरी

द्वारिकाधीश भगवान के चरणों से जयपुर की धरती पवित्र है, हजारों साल पहले मथुरा से द्वारिका जाते समय कान्हा आमेर के रास्ते से निकले थे

द्वारिकाधीश भगवान कृष्ण के चरणों से जयपुर की धरती पवित्र है। हजारों साल पहले मथुरा से द्वारिका जाते समय कान्हा आमेर के रास्ते से निकले थे। द्वापर युग में कान्हा की इस यात्रा का गवाह है, नाहरगढ़ पहाड़ी स्थित चरण मंदिर। बताया जाता है कि यहां पर कृष्ण के चरण पड़े थे। इसके बाद ही इसका नाम चरण मंदिर हो गया। मंदिर में श्री कृष्ण के दाहिने पैर और उनकी गायों के पांच खुरों के प्राकृतिक निशान की पूजा होती है। लोक मान्यता ? व शास्त्रों के अनुसार ? द्वापर युग में आज का विराटनगर तब विराट जनपद था। कृष्ण अपने प्रिय पाण्डवों से अज्ञातवास व वन गमन के समय कई बार यहां मिलने आए थे। उनके ढूंढाड़ की धरा पर आने का प्रमाण अम्बिका वन (आमेर) का भागवत प्रसंग भी है। द्वापर युग में नाहरगढ़ के पास में स्थित चरण मंदिर का पहाड़ी वन क्षेत्र अम्बिका वन के नाम से जाना जाता था।

ग्वालों व नंदबाबा के संग कृष्ण भी आए थे आमेर

भागवत पुराण के मुताबिक भगवान योगेश्वर कृष्ण नंदबाबा व ग्वालों के संग अम्बिका वन में आए। उन्होंने अम्बिकेश्वर महादेव की पूजा की। अम्बिकेश्वर महादेव मंदिर आज भी आमेर में मौजूद है। अम्बिका वन में कृष्ण के साथ आए नंदबाबा को एक अजगर ने पकड़ लिया तब श्री कृष्ण ने नंदबाबा को अजगर से मुक्त कराया। भागवत के मुताबिक वह अजगर इन्द्र के पुत्र सुदर्शन के रूप में प्रकट हुआ।। सुदर्शन ने कृष्ण को बताया कि उसने कुरूप ऋषियों का अपमान कर दिया था, इससे नाराज ऋषियों ने अजगर बनने का श्राप दिया। नाहरगढ़ पहाड़ी पर चरण मंदिर के नीचे सुदर्शन की खोळ और नाहरगढ़ में सुदर्शन मंदिर आज भी प्रसिद्ध है।

मानसिंह ने बनाया था चरण मंदिर

पन्द्रहवीं शताब्दी में आमेर नरेश मानसिंह (प्रथम) ने चरण मंदिर को भव्य रूप दिया था। सवाई जयसिंह द्वितीय ने नाहरगढ़ पहाड़ी पर सुदर्शन गढ़ के नाम से किला बनवाना शुरू किया, लेकिन नाहरसिंह भोमिया के व्यवधान के कारण किले का नाम सुदर्शन गढ़ के बजाय नाहरगढ़ रखना पड़ा। मान्यता है कि बृज से आमेर के नाहरगढ़ पहाड़ियों के क्षेत्र में पहले कदम्ब के पेड़ों का घना वन भी था। चरण मंदिर के नीचे सुदर्शन की खोळ में श्रीकृष्ण के अति प्रिय कदम्ब के हजारों पेड़ आज भी मौजूद है। कदम्ब कुंड में हजारों कदम्ब के पेड़ हैं।

कृष्ण की वास्तविक प्रतिमा है गोविंददेव जी मंदिर में

भक्तिकाल में वृंदावन की पावन धरा से जयपुर के आराध्य देव भगवान गोविंद देव और गोपीनाथ के यहां लाए गए विग्रह साक्षात श्रीकृष्ण के रूप लावण्य की हूबहू कृति माने जाते हैं। कृष्ण के प्रपोत्र पद्मनाभ ने अपनी दादी के बताये कृष्ण के वर्णन अनुसार इन मूर्तियों का निर्माण करवाया था। औरंगजेब ने मंदिरों को खण्डित करना शुरु किया तब गोस्वामीजी विग्रह को ढूंढाड़ की धरा पर ले लाए।

दुग्धेश्वर महादेव

यहां शिवलिंग पर जल चढ़ाने से पूरी होती है मान्यताएं

किंवदंती के अनुसार गाय शिवलिंग पर दूध चढाया करती थी इसलिये मंदिर का नाम दुग्धेश्वर नाथ पड़ा, सावन में यहां जल अर्पित करने से सभी कामना पूरी होती है

उत्तर प्रदेश में देवरिया जिला मुख्यालय से बीस किलोमीटर दूर दूसरी काशी के नाम से प्रचलित रूद्रपुर में अष्टकोण में बने दुग्धेश्वर नाथ मंदिर में वैसे तो हमेशा ही श्रद्धालु आते हैं लेकिन सावन के महीने में यहां भक्तों का तांता लगा रहता है।

सावन के महीने में शिव भक्तों द्वारा सरयू नदी से कांवड में जल चढाने की पुरातन परम्परा आज भी जारी है। सावन के हर सोमवार को यहां भक्तों का तांता लगता है। सावन में पूरा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान रहता है। जनश्रुतियों के अनुसार जहां मंदिर हैं, वहां लोग गाय-भैंस चराने आया करते थे। जहां शिवलिंग मौजूद है वहां एक गाय प्रतिदिन आती थी और उसके थन से दूध गिरना शुरू हो जाता था।

यह बात जब रूद्रपुर के नरेश तक पहुंची तो उन्होंनें पूरे इलाके की खुदाई करा दी। खुदाई में शिवलिंग दिखा। कहते है मजदूर जैसे-जैसे शिवलिंग को निकालने के लिये खुदाई करते, वैसे-वैसे शिवलिंग नीचे धंसता जाता। शिवलिंग तो नहीं निकला लेकिन वहां एक कुआं बन गया। राजा को स्वप्न में वहीं मंदिर बनाने का आदेश मिला। स्वप्न में मिले आदेश के अनुसार रूद्रपुर नरेश ने काशी के पंडितों को बुलाकर शिवलिंग की विधिवत स्थापना कराई। यहां भक्तों को शिवलिंग स्पर्श के लिये चौदह सीढियां उतरनी होती हैं। चीनी यात्री ह्वेन सांग ने भी अपनी भारत यात्रा में इस मंदिर का जिक्र किया है। मंदिर की दीवार पर हेन सांग की चीनी भाषा में लिखी टिप्पणी अंकित है।

ऐसे पड़ा मंदिर का नाम दुग्धेश्वर

किंवदंती के अनुसार गाय शिवलिंग पर दूध चढाया करती थी इसलिये मंदिर का नाम दुग्धेश्वर नाथ पडा। स्कन्ध पुराण में भी इस मंदिर का जिक्र है और इसे द्वादश लिंग की तरह महत्वपूर्ण बताया गया है। सावन मास, अधिक मास तथा शिवरात्रि पर यहां मेले का भी आयोजन होता है। यहां बिहार तथा पडोसी देश नेपाल से भी श्रद्धालु आते हैं। कहा जाता है कि सावन में यहां जल अर्पित करने से सभी कामना पूरी होती है।

टाइगर 3 के लिए 6 महीने किया था वर्कआउट

बॉलिवुड में सीरियल किसर का खिताब पाने वाले इमरान हाशमी कुछ समय से परफॉर्मेंस प्रधान भूमिकाओं पर ध्यान दे रहे हैं। हालिया रिलीज टाइगर 3 ने न केवल उन्हें बॉक्स ऑफिस की कामयाबी का स्वाद चखाया बल्कि उनकी भूमिका को सराहना भी मिली। विलन के रोल में इमरान दर्शकों को खूब पसंद आ रहे हैं।

आप एक लंबे अरसे तक सीरियल किसर के रूप में जाने जाते रहे, मगर अब लोग आपको समर्थ अभिनेता का दर्जा दे रहे हैं?

सच कहूं, तो करियर में दस-बारह साल तक मुझे सीरियल किसर की छवि से काफी फायदा हुआ। मैं उस इमेज को लेकर कोई शिकायत नहीं करना चाहूंगा। मैंने ही उस इमेज को प्रमोट करके पीआर के रूप में उसका इस्तेमाल किया। मगर फिर एक पॉइंट के बाद मुझे लगा, बस हो गया, मुझे उस काम को करके खुशी भी नहीं मिल रही थी। मैं कोई फिल्म साइन करता, मुझे रोल मिलता और फिर वही चीजें रिपीट करता था मैं। फिर 2013 में मैंने एक बहुत ही सख्त फैसला लिया कि मैं परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिका करूंगा। ये बात बहुत लोगों को हजम नहीं हुई, जैसा कि इंडस्ट्री में दस्तूर होता है कि आपकी जो इमेज चल निकलती है, उसे ही भुनाया जाता है। लेकिन मुझे दर्शकों के सामने कुछ नया पेश करना था। आप अगर मेरी फिल्मोग्राफी पर निगाह डालें, तो पाएंगे कि मैंने 2013 के बाद अपनी पिछली फिल्मों से काफी अलग तरह की फिल्में की हैं, तो आज आप अगर टाइगर 3 में मेरी परफॉर्मेंस की तारीफ सुन रहे हैं, तो वो मेरे बीते 8-10 सालों की मेहनत का नतीजा है।

इंडस्ट्री में दो दशक बिताने के बावजूद सुना है कि आपने अपने किरदार के लिए ऑडिशन दिया?

मुझे ऑडिशन देने में कोई परहेज नहीं है। मैं जब फिल्म के निर्देशक मनीष शर्मा से पहली मीटिंग में मिला, तो वे बोले, तुम्हारा चेहरा काफी छोटा है, ये एक खलनायक की भूमिका है, तो तुम्हे ऐतराज न हो, तो लुक टेस्ट या एक सीन कर सकते हैं? मैंने कहा, मनीष बोल दे न कि ऑडिशन चाहिए। मैंने मनीष से साफ-साफ कहा कि उनकी क्लैरिटी के लिए उन्हें जो कुछ भी चाहिए, मैं करने को तैयार हूं। उन्होंने अगली दो-तीन मीटिंग में मुझे स्क्रिप्ट सुनाई। हमने एक -दूसरे को समझा और अंतत: उन्होंने मुझसे कहा, मुझे ऑडिशन नहीं चाहिए।

सलमान खान जैसे एक्शन स्टार के सामने आपने एक्शन के लिए क्या तैयारी की?

तैयारी तो बहुत की। हां, टी शर्ट नहीं उतारी। मनीष ऐसा निर्देशक है भी नहीं जो अचानक क्लाइमैक्स में टी शर्ट उतारने को कहे। सलमान बहुत बड़े एक्शन स्टार हैं और सालों से अपनी फिजीक पर काम करते आए हैं और जब मैं मनीष से मिला, तो मैं काफी पतला था। मनीष ने मुझे 6 महीने का समय दिया। मैं सलमान के साथ फ्रेम में फिट लगना चाहता था। मैं नहीं चाहता था कि मैं ऐसा लगूं कि सलमान मुझे फूंक मारे, तो मैं उड़ जाऊं। मैंने 6 महीने वर्कआउट करके अपनी बॉडी बनाई। जहां तक सलमान के साथ काम करने की बात है, तो हमारे बीच एक इक्वेशन है, जो काम में भी साकार हुई है।

आपकी फिल्म पर आपके बेटे अयान की क्या प्रतिक्रिया थी?

मेरे बेटे ने फिल्म बहुत इंजॉय की। आम तौर पर वो मेरी फिल्में एक बार देखता है, मगर ये फिल्म उसने दो बार देखी। पहली बार उसने फिल्म यशराज में देखी, मगर उसने कहा कि वो एक बार और आईमैक्स में देखना चाहता है। उसने मुझसे कहा कि जिस तरह से हम हॉलिवुड की फिल्मों के मजे लेते हैं, उसी तरह उसने ये फिल्म इंजॉय की।

बेटे अयान को लेकर आप कैंसर जैसे मुश्किल वक्त से भी गुजरे, उस आज आपका करियर काफी चमक रहा है, मगर आपके लिए मुश्किल दौर कौन-सा था?

जब आपकी फिल्में नहीं चलती, तब आप खुद से सवाल करने लगते हैं। अपनी चॉइसेज पर प्रश्नचिह्न लगा देते हैं। मुझे लगता है हर एक्टर के करियर में ऐसा दौर आता है, जब वो नाकामियों से गुजरता है। हर शुक्रवार को समीकरण बदल जाते हैं। फिल्म हिट होती है, तो लोग तारीफों के पुल बांध देते हैं। लेकिन जब फिल्म नहीं चलती, तो एक्टर को अकेलेपन से गुजरना पड़ता है। वो इम्तिहान होता है। मगर फिर ऐसे समय में दिमाग में एक ही बात रखनी पड़ती है कि भले आपकी फिल्म नहीं चली, मगर आपको खुद को री इंवेंट करना पड़ेगा।

मुझे फेमिनिस्ट होने पर गर्व है, बोले करण जौहर, फिल्म ऐ वतन मेरे वतन को लेकर कही यह बात

गोवा में चल रहे 54वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में तमाम दूसरे स्टार्स के साथ जाने-माने फिल्ममेकर करण जौहर और एक्ट्रेस सारा अली खान ने भी हिस्सा लिया। यहां उन्होंने सीधे ह्रअ्रअ पर रिलीज होने वाली अपनी फिल्म ऐ वतन मेरे वतन को लेकर बातचीत की। करण जौहर ने बताया कि यह साल 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान घटी सत्य घटना से प्रेरित फिल्म है। इस फिल्म में सारा अली खान ने ऐसी लड़की का रोल निभाया है, जिसने देशभक्ति की भावना से प्रभावित होकर देश के स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया।

फीमेल लीड वाली फिल्मों पर करण जौहर को कितना विश्वास?

जब करण जौहर से पूछा गया कि वह महिलाओं को लीड रोल में लेकर फिल्में बनाने में कितना विश्वास रखते हैं, तो उन्होंने कहा, मैं किसी किरदार को उसके जेंडर से नहीं देखता। हालंकि मुझे फेमिनिस्ट होने पर गर्व है। मुझे एक मजबूत मां ने पाला है। मुझे जब इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया, तो इसकी कहानी सुनकर मैंने तुरंत इसे बनाने का फैसला कर लिया। मैं इससे पहले भी देशभक्ति के विषय पर आधारित फीमेल लीड वाली राजी और गुंजन सक्सेना जैसी फिल्में बना चुका हूं। इन फिल्मों में आलिया भट्ट और जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी और इन्हें काफी पसंद भी किया गया था। मुझे उम्मीद है कि ऐ वतन मेरे वतन को भी दर्शकों से उतना ही प्यार मिलेगा।

सारा को ही ऐ वतन मेरे वतन के लिए क्यों चुना?

जब करण से पूछा गया कि उन्होंने इस रोल के लिए सारा को ही क्यों चुना, तो वह बोले, मैं सारा को बचपन से जानता हूं। वह मुझे इस रोल के लिए परफेक्ट चॉइस लगीं। जो लोग कहते हैं कि उन्हें फिल्मी फैमिली से होने का फायदा मिला है, मैं उनको बताना चाहता हूं कि सारा आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया है। मैं अक्सर हंसमुख चेहरे वाली सारा से कहता हूं कि तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो, क्या गम है जो तुम छिपा रहे हो।

वेब सीरीज अक्का में राधिका आप्टे से भिड़ेंगी कीर्ति सुरेश

यशराज फिल्म्स ने पिछले हफ्ते अपनी पहली वेब सीरीज द रेलवे मेन के प्रीमियर के साथ ओटीटी क्षेत्र में आधिकारिक प्रवेश किया। के के मेनन, आर. माधवन, दिव्येंदु शर्मा और बाबिल खान स्टारर शो, जो 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के इर्द-गिर्द घूमता है, बेहद हिट रहा है और इसे दुनिया भर में व्यापक प्रशंसा मिली है।

वाईआरएफ एंटरटेनमेंट, आदित्य चोपड़ा के नेतृत्व वाले बैनर की स्ट्रीमिंग प्रोडक्शन शाखा, इस सफलता के बाद एक मल्टी-सीजन क्राइम थ्रिलर सीरीज मंडाला मर्डर्स के साथ आई है, जिसमें वाणी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। अब, रिपोर्ट्स हैं कि कंपनी ने अपने तीसरे शो को भी हरी झंडी दे दी है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वाईआरएफ एंटरटेनमेंट अब एक आकर्षक रिवेंज थ्रिलर सीरीज का निर्माण कर रहा है, जिसमें साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश और बॉलीवुड डीवा राधिका आप्टे मुख्य भूमिका में हैं। अक्का नामक प्रोजेक्ट में इन दो सबसे प्रशंसित भारतीय महिला कलाकारों को स्क्रीन पर एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा देखा जाएगा। ऐसा कहा जाता है कि यह एक पीरियड थ्रिलर है। साथ ही छह महीने की भारी तैयारी के बाद इस शो पर इसी सप्ताह काम शुरू हुआ है। इस सीरीज के इर्द-गिर्द उत्साह पैदा करने के लिए वाईआरएफ द्वारा जानबूझकर परियोजना के विवरण को गुप्त रखा जा रहा है।

अक्का कीर्ति सुरेश की ओटीटी क्षेत्र में पहली फिल्म है, और वरुण धवन के साथ अंडर-प्रोडक्शन थेरी रीमेक के बाद उनकी दूसरी हिंदी परियोजना है। पिछले दशक में तमिल, तेलुगू और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में एक के बाद एक अविश्वसनीय प्रदर्शन के साथ खुद को ऑन-स्क्रीन एक सशक्त कलाकार के रूप में स्थापित करने के बाद, अभिनेत्री की नजर अब बॉलीवुड पर है, और वाईआरएफ शो इसका एक प्रमाण है।

बड़ी बेसब्री से फाइटर का इंतजार कर रहे अनिल कपूर

अभिनेता ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर जैसे सितारों से सजी फिल्म फाइटर का दर्शक बड़ी बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म को 2024 की सबसे बड़ी फिल्म बताया जा रहा है। जिस बेसब्री से दर्शक इस फिल्म के इंतजार में हैं, अभिनेता अनिल कपूर भी वैसे ही दिन गिन-गिनकर इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें फाइटर की रिलीज को आज से ठीक एक महीना बाकी है। अनिल कपूर ने फिल्म की रिलीज के लिए काउंटडाउन शुरू कर दिया है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्टर जारी किया है। इसमें लिखा है, दो महीने बाकी हैं।

वहीं कैप्शन में लिखा है, एक फाइटर कभी आराम नहीं करता। आपको बता दें कि फाइटर की रिलीज डेट 25 जनवरी 2024 है।

विक्रांत मैसी ने किया खुलासा- ऑस्कर के लिए भेजी गई 12वीं फेल

फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 12वीं फेल बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त प्रदर्शन के साथ शानदार हिट बन गई है। फिल्म को दर्शकों और आलोचकों से समान रूप से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वहीं, अब आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की भूमिका निभाने वाले विक्रांत मैसी ने पुष्टि की है कि 12वीं फेल ने स्वतंत्र नामांकन के रूप में ऑस्कर के लिए आवेदन किया है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान विक्रांत ने फिल्म उद्योग में अपनी यात्रा के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि जब वे सिर्फ 15 साल के थे तो कैसे उन्हें काम की तलाश में मजबूर होना पड़ा, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उनकी कॉलेज की फीस उनके पिता पर बोझ बने। मनोरंजन की दुनिया में विक्रांत का सफर टेलीविजन से शुरू हुआ। उन्हें लोकप्रिय टेलीविजन शो कुबूल है में अयान अहमद खान की भूमिका से पहचान मिली, जो 2012 से 2013 तक प्रसारित हुआ। वहीं अब उन्होंने अपने जिंदगी का खास पड़ाव भी पार कर लिया है। उन्होंने बताया है कि उनकी फिल्म 12वीं फेल को स्वतंत्र नामांकन के रूप में ऑस्कर के लिए भेजा गया है। टीवी से अपना करियर शुरू करने वाले अभिनेता ने यह भी बताया कि वह एक डांसर हैं और उन्होंने श्यामक डावर से प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने स्टेज पर जमकर डांस भी किया। विक्रांत ने बॉलीवुड सिनेमा में भी एक सफल बदलाव किया है। वह उन फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने अपनी कहानी और प्रदर्शन के लिए आलोचकों की प्रशंसा हासिल की है।

एक बार फिर एक्शन करती दिखेंगी रानी मुखर्जी! 2024 में शुरू होगी मर्दानी 3 की शूटिंग

रानी मुखर्जी बॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में शुमार हैं। उन्होंने अपने करियर में कई सुपहिट फिल्में दी हैं। हाल ही में, अभिनेत्री मिसेज चटर्जी में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनकी अदाकारी को लोगों ने खूब पसंद किया था। पिछले कुछ समय से रानी की फिल्म मर्दानी- 3 को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही हैं। इस बीच अब इस फिल्म से जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रानी मुखर्जी मर्दानी 3 में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रानी मुखर्जी मर्दानी 3 में काम करने के लिए तैयार हैं। वहीं, इस फिल्म की स्क्रिप्ट के लिए निर्देशक गोपी पुथरन और निर्माता आदित्य चोपड़ा से भी मंजूरी मिल गई है। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इन दिनों फिल्म के बाकी कलाकारों के चयन को लेकर चर्चा चल रही है। रानी मुखर्जी की इस फिल्म की शूटिंग साल 2024 में शुरू होगी। बता दें कि रानी मुखर्जी ने भी एक इंटरव्यू में मर्दानी 3 में काम करने की इच्छा जताई थी। मर्दानी 3 में काम करने को लेकर अभिनेत्री ने कहा था, इस किरदार को मैं फिर से निभाना चाहती हूं, लेकिन सबकुछ स्क्रिप्ट पर निर्भर करता है। अगर कहानी अच्छी मिलती है तो मैं जरूर इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहूंगी। मर्दानी और मर्दानी 2 में रानी मुखर्जी ने शिवानी शिवाजी राव नाम की पुलिस अफसर का किरदार निभाया था। दर्शकों को उनका यह किरदार काफी पसंद आया था। मर्दानी को साल 2014 में रिलीज हुई। साल 2019 में आई मर्दानी 2 में रानी मुखर्जी के अलावा विशाल जेठवा, विक्रम सिंह चौहान, श्रुति बापना, राजेश शर्मा, दीपिका अमीन जैसे कलाकार नजर आए थे।

जख्म का रीमेक बनाना चाहती हैं पूजा भट्ट, दिल है कि मानता नहीं को दोबारा बनाने से किया इनकार

बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट ने हाल ही में अपनी फिल्म जख्म को दोबारा देखने और उसे फिर से रिलीज करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि जख्म आज भी प्रासंगिक है, जो इसे दर्शकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है। पूजा भट्ट ने फिल्म के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा कि शुरुआती चुनौतियों के बावजूद उसे सरकार से राष्ट्रीय एकता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था।

इंडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में बात करते हुए पूजा भट्ट ने दिल है के मानता नहीं के रीमेक के बारे में भी बात की। इस फिल्म में पूजा भट्ट ने आमिर खान के साथ अभिनय किया था। उन्होंने फिल्म के रीमेक बनने की बात का खंडन कर दिया। उन्होंने कहा कि आप दिल है के मानता नहीं का रीमेक नहीं बना सकते, क्योंकि आप महेश भट्ट की जगह नहीं ले सकते और यह उनके बिना नहीं बन सकता।

आलिया और रणबीर को करेंगी निर्देशित?

पूजा भट्ट अपनी फिल्म सना की स्क्रीनिंग के लिए आईएफएफआई में आई थीं उन्होंने ने सेट पर रहने, संवाद सीखने और दूसरों द्वारा निर्देशित होने का आनंद व्यक्त किया। जब पूजा से उनके सुपरस्टार परिवार के सदस्यों आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को निर्देशित करने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने वर्तमान में जीने और एक अभिनेता के रूप में अपने समय का आनंद लेते हुए निश्चित योजनाएं न बनाने पर जोर दिया।

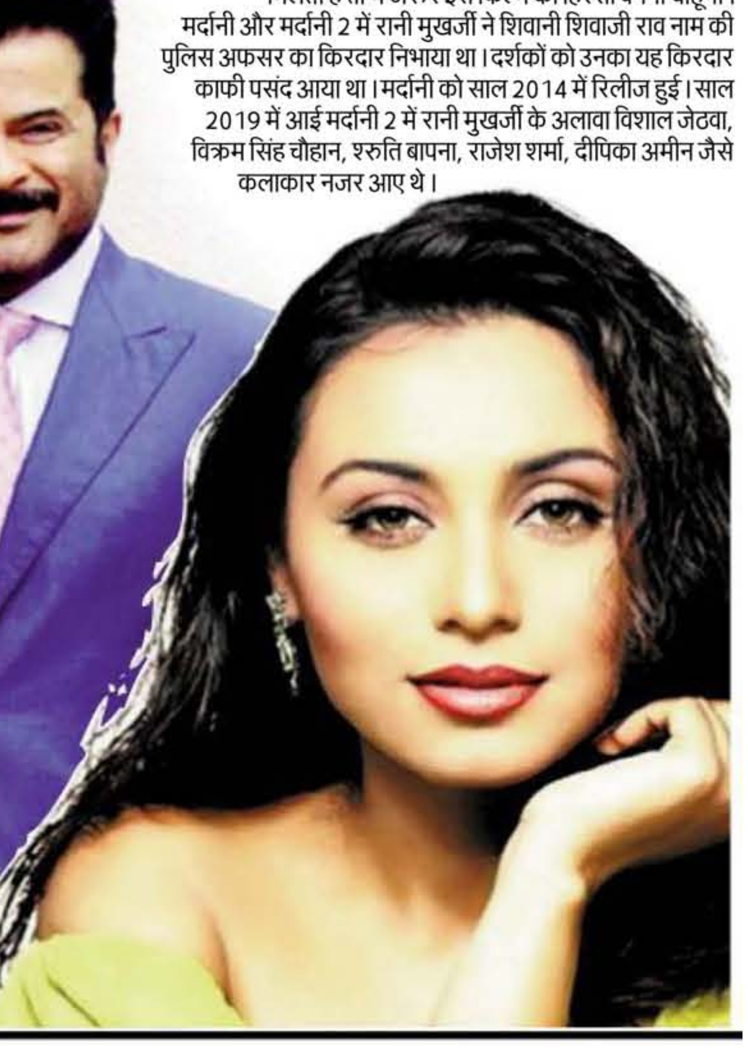

अवैध भूजल दोहन पर 23 लाख रुपये का जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकित राय ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कल 52 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा प्राधिकरणों की आख्या प्राप्त होने के उपरांत आवेदनों को स्वीकृत किया जायेगा।

13 आवेदन को अस्वीकृत किया गया तथा 09 आवेदनों को राज्य प्राधिकरण को अग्रसारित किए जाने का निर्णय लिया गया।

जिलाधिकारी द्वारा भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों को अवैध प्लान्ट संचालकों पर दो लाख रूपये जुर्माना व मेफेयर रेजिडेंसी टेक जोन 4 पर प्राथमिकी दर्ज करने तथा सिक्का कामना ग्रीन्स सेक्टर-143 में अवैध भूजल दोहन के संबंध में 5 लाख का जुर्माना लगाने के लिए निर्देशित किया गया है। सेक्टर-75 के फ्यूटेक तथा गार्डन गैलेरिया हाउसिंग सोसायटी पर 5-5 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिये गये है। अवैध भूजल निष्कर्षण के लिए कुल जुर्माना 23 लाख रुपये लगाया गया। जिलाधिकारी ने भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि जनपद वासियों को जल सरंक्षण के लिए जागरूकत करने के उद्देश्य से जागरूकता गोष्ठी का आयोजन निरन्तर स्तर पर कराया जाये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, नोएडा/ग्रेटर नोएडा/यमुना विकास प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, वन विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर त्रिपक्षीय करार

नोएडा (चेतना मंच)। 3 वर्ष तक के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर नोएडा प्राधिकरण तथा मैसर्स कोफोर्ज लिमिटेड व इंस्टिट्यूट ऑफ़ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग के बीच करार हुआ है।

नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजीव कुमार खत्री तथा कोफोर्ज लि. की प्रतिनिधि मंजरी मिश्रा व मानविका शर्मा तथा डीएन डा. राजेन्द्र गौतम के बीच करार हुआ।

करार के तहत 30 दिसंबर तक 3 वर्ष का एक्शन प्लान व आकलन तैयार करने, 15 मार्च 2024 तक वायु गुणवत्ता बेहतर करने व सफाई कर्मियों को इंफेक्शन से बचाव, 31 मई तक 300 लोगों को जोड़ने, 8 अगस्त तक कूड़ा उठाने वालों लोगों को वेलफेयर स्कीम से जोड़ने व दिसंबर 2024 तक शतप्रतिशत कूड़े के निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद लोगों को कूड़ा निस्तारण प्रक्रिया व शहर में किए गए उपाय के बारे में लोगों को सेमिनार सहित अन्य माध्यमों से जागरूक किया जाएगा।

इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के उप महाप्रबंधक (जनस्वास्थ्य) भी मौजूद थे।

मतदान जागरुकता अभियान के लिए छात्र-छात्राओं ने निकाली साइकिल रैली

नोएडा (चेतना मंच)। भारत निर्वाचन आयोग के स्वीप कार्यक्रम के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से राजकीय इंटर कॉलेज सेक्टर-12 नोएडा के छात्र-छात्राओं के द्वारा साइकिल रैली निकाली गई। रैली में लगभग 200 छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

स्वीप कोर्डिनेटर डॉ. शालिनी सिंह ने बताया कि मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से आयोजित रैली को जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साइकिल रैली के द्वारा युवा एवं महिला मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज करते हुए अपने मत का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन चुनमुन रानी द्वारा किया गया एवं संपूर्ण कार्यक्रम स्वीप कोर्डिनेटर डॉ. शालिनी सिंह, वंदना यादव एवं गीता भाटी के मार्गदर्शन में हुआ।

इस अवसर पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश सिसोदिया, जिला दिव्यांगजन अधिकारी आशीष कुमार, मुख्य वक्ता समाज सुधारक सुमन चाहर, विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित कुमार एवं डॉ. ऋतु सिंह मौजूद रही।

किशोरी का पड़ोसी ने किया अपहरण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के बिरोंडी गांव से पड़ोस में रहने वाला युवक 14 वर्षीय किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी के भाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है।

बिरौंडी गांव में किराए पर रहने वाले रमेश (काल्पनिक नाम) ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसके (14 वर्षीय) बहन को पड़ोस में रहने वाला मोहित नामक युवक बहलाकर भगा ले गया है। आरोपी मोहित एक स्कूल में चालक के रूप में कार्यरत था। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी व किशोरी की तलाश की जा रही है।

सेक्टर-75 पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

नोएडा (चेतना मंच)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मंगलवार को नोएडा पहुंचे। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नोएडा के सेक्टर-75 में रह रही अपनी बेटी से मुलाकात की। पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए भारी मात्रा में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया था।

आपको बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद नोएडा के सेक्टर-75 स्थित एक सोसायटी में रहती है। अपनी बेटी से मिलने के लिए ही वह यहां आए थे। सोसायटी में पहुंचने पर नागरिकों ने उनका फूल माला पहना कर भव्य स्वागत किया।

पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए नोएडा कमिश्नरेट पुलिस द्वारा भारी मात्रा में पुलिस फोर्स तैनात किया गया है।

आपको बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अप्रैल

2023 में भी नोएडा के दौरे पर आए थे। उस समय भी उन्होंने सेक्टर-75 में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। बताया जाता है कि उस समय भी वह अपनी बेटी से ही मिलने आए थे। पूर्व राष्ट्रपति के आगमन को लेकर गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट एलर्ट पर है। उनकी सुरक्षा के लिए चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। उनके आगमन से कुछ देर के लिए यातायात में बाधा आई थी, लेकिन शीघ्र ही उसे ठीक कर लिया गया।

चार दिन बाद भी नही लग पाया करोडों की चोरी का सुराग

जेवर (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा पर स्थित शिवा ढाबा से रविवार को अज्ञात चोर जौनपुर के ज्वैलरी कारोबारी की कार को अगवा कर लेकर फरार हो गये थे जिसमें दो बैगों में करोडों रूपये का सोना था जेवर कोतवाली पुलिस ने कार को अलीगढ के टप्पल थाना क्षेत्र से हाईवे पर खडी कार को बरामद कर लिया था जिसमें से सोने से भरे दोनो बैग गायब थे ।

जिला जौनपुर के मौहल्ला हनुमान घाट निवासी सर्राफा कारोबारी गंगेश सोनी रविवार को दिल्ली के चांदनी चौक से ज्वैलरी कारोबारी मनोज कुमार के यहां से ज्वैलरी लेकर अपनी कार से जौपुर लौट रहे थे उनके साथ चालक गांव जाफराबाद जिला जौनपुर निवासी विवेक मिश्रा व मुनीष भी साथ थे ।

जेवर टोल प्लाजा को पार करके तीनों शिवा ढाबा में खाना खाने के लिये चले गये वापस खना खाकर लौटने पर देखा तो कार गायब थी जिसको देख उनके होश उड गये कार में करोडों रूपये कीमती की ज्वैलरी थी जिसको अज्ञात बदमाश लेकर फरार हो गये और कार को यमुना एक्सप्रेसवे पर टप्पल थाना क्षेत्र में छोड गये थे चार दिन बाद भी जेवर कोतवाली पुलिस की टीम चोरी हुई ज्वैलरी का सुराग लगाने के लिये मुखबिर व सर्विलास की मदद ले रही है ।

डीएम ने सुनी उद्यमियों की समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर में जिला उद्योग बन्धु की बैठक का आयोजन किया गया। नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन ने इस मौके पर कई मांगें रखीं।

जिलाधिकारी ने मैसर्स सिंगारी पेपर कन्वर्टर की संमस्या का निदान करने हेतु संबधित अधिकारी को निर्देश दिए तथा कहा कि इकाई की समस्या का शीघ्र निस्तारण किया जाए। यातायात से संबधित समस्या का समाधान करने हेतु पुलिस विभाग के अधिकारियों को एनईए तथा अन्य संस्थाओं के साथ 2 दिसंबर को मीटिंग करने के निर्देश दिए।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गंभीर रूप से बीमार मरीजो जिनका ईलाज ई.एस.आई. अस्पतात में संभव नही है उन्हें नौएडा के ही प्राईवेट अस्पतालों में रेफर किया जाए। विद्युत विभाग में मूल-भूत सुविधाओं की कमी के बारे में अवगत कराया कि विद्युत विभाग को मूल-भूत सुविधाओं को दुरूस्त करने हेतु फंड स्वीकृत हो चुका है ।

बैठक में एनईए के वरि. उपाध्यक्ष मुकेश कक्कड, कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, उपाध्यक्ष मोहन सिंह, राजेन्द्र मोहन जिंदल,असीम जगिया, आदित्य गर्ग उपस्थित थे।

सेक्टर की सफाई का जिम्मा एक सफाईकर्मी पर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ईटा-1 में सफाई का जिम्मा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक सफाईकर्मी के कंधे पर डाला हुआ है। जिससे सेक्टर की पर्याप्त सफाई नहीं हो पाती है।

सेक्टर ईटा-1 आरडब्ल्यू की एक बैठक आरडब्लूए अध्यक्ष कर्मवीर भाटी की अध्यक्षता में हुई। आरडब्ल्यूए की बैठक में सेक्टर की समस्याओं से जुड़े कई मुददे उठाये गये।

आरडब्लूए अध्यक्ष कर्मवीर भाटी ने बताया कि सेक्टर में रहने वाले लोगों की संख्या काफी है। लेकिन प्राधिकरण ने यहां सफाई के लिए एक ही कर्मचारी तैनात किया है। आडब्ल्यूए प्राधिकरण से यहां एक और सफाईकर्मी की नियुक्ति की मांग करेगा साथ ही सेक्टर की जगह-जगह से टूटी हुई बाउंड्री वॉल को ठीक कराने तथा सेक्टर में लगे खराब सीसीटीवी कैमरों को ठीक कराने की मांग प्राधिकरण के अधिकारियों से की जाएगी।

लखनऊ में जुटेंगे एमएसएमई उद्योग से जुड़े उद्यमी

लखनऊ। इण्डियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन एवं उप्र सरकार के एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एमएसएमई उद्यमी महासम्मेलन 2023 का आयोजन इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान के मार्स हॉल में 30 नवम्बर को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री उत्तर प्रदेश राकेश सचान तथा अपर मुख्य सचिव एमएसएमई अमित मोहन प्रसाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे।

आईआईए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव बंसल ने बताया कि 'उद्यमी महासम्मेलन' सभी एमएसएमई उद्यमियों के लिए उद्योग जगत के सफल उद्यमियों से मिलने एवं नेटवर्किंग का अवसर प्रदान करने के लिए आईआईए की एक महत्त्वपूर्ण पहल है। इस उद्यमी महासम्मेल्लन के संस्करण का मुख्य विषय 'Transforming MSME towards Industry 4.0 × 48' रखा गया है। जिसमें MSME क्षेत्र के विशेषज्ञों तथा एमएसएमई विभाग के उच्च पदाधिकारियों द्वारा इसकी अवधारणा को साकार करने के लिए उचित मार्गदर्शन एवं रोडमैप पर चर्चा की जाएगी। तकनीकी सत्र के दौरान ओपन फोरम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को उद्यमों के बदलते स्वरुप एवं अभिनव तकनीकों से एमएसएमई को होने वाले लाभ आदि पर विचार प्रकट करने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे निश्चित ही उद्यमियों को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस उद्यमी महा सम्मेलन में नोएडा से लगभग 50 उद्यमी इसमें सम्मिलित होने लखनऊ जाएँगे।

ग्रेनो वेस्ट मेट्रो को लेकर जंतर-मंतर पर 10 को प्रदर्शन

लोकसभा चुनाव में भरी पड़ सकती है जनप्रतिनिधियों की चुप्पी

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की विभिन्न सोसायटी में रहने वाली करीब एक लाख की जनता पिछले कई वर्षों से मेट्रो ट्रेन की सवारी का इंतजार कर रही हैं। लेकिन हर बार की तरह इस बार भी उन्हें मायूस होना पड़ा है। आगामी लोकसभा चुनाव में यह मुददा प्रमुखता से उठेगा तथा सत्तापक्ष के लिए यह मुददा घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है।

सोसायटी के निवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था नेफोवा 10 दिसंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर में इसको लेकर आंदोलन करेगा। यह जानकारी नेफोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने दी है।

बता दें कि नोएडा से ग्रेटर नोएडा पश्चिम के लिए मेट्रो रूट तैयार करने की कवायद कम से कम दस साल से चल

रही है। इसे नॉलेज पार्क-5 तक जोड़ा जाना प्रस्तावित है। इस बीच दोनों शहरों की पूर्वी और पश्चिमी सीमाएं मिलकर एकाकार हो चुकी हैं और वहां दस बारह लाख से अधिक लोग निवास कर रहे हैं। इनमें से अधिकांश नौकरी व व्यवसाय के सिलसिले में रोजाना नोएडा दिल्ली आते जाते हैं। कोई सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था न होने से लोग या तो निजी वाहनों से चलते हैं या ऑटो, ई-रिक्शा जैसे वाहनों में खिचड़ते हैं। इतनी बड़ी आबादी को मेट्रो की सुविधा कभी की मिल जानी चाहिए थी।

नौ वर्ष पहले 2015 की जनवरी में नोएडा से ग्रेटर नोएडा पश्चिम के मेट्रो रूट के पिलर्स के लिए मिट्टी की जांच की गई थी।तब से अब तक दो बार लोकसभा और दो ही बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव हो चुके हैं। चारों चुनावों में भाजपा को ही जीत हासिल हुई है। इस मेट्रो का निर्माण नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) को करना है।

अनेक बार इस रूट के लिए योजना और डीपीआर पर बात हो चुकी है। चुनाव लड़ने वाले भाजपा प्रत्याशी हर बार यहां मेट्रो चलवाने की कसमें खाते हैं और वादा करते हैं, फिर भूल जाते हैं। रविवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट में होम बायर्स संगठन नेफोवा ने अपने नेता अभिषेक कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। आगामी 10 दिसंबर को यह संगठन दिल्ली जंतर-मंतर पर जाकर भी मेट्रो के लिए आवाज उठाने की घोषणा कर रहे हैं।